वर्ष : 17 ❖ अंक : 245 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 13 अप्रैल 2023

विपक्षी एकता अपने आप में बड़ा भ्रम, नीतीश से असंभव : चिराग पासवान 3

मजबूत रक्षा वित्त व्यवस्था सेना की रीढ़ : राजनाथ सिंह 8

सिक्किमी की परिभाषा अक्षुण्ण रहने का सरकार का दावा झूठा : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 अप्रैल । पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने सिक्किम की परिभाषा में दो और वर्ग को शामिल कर ग्रेटर सिक्किम बनाने की रूपरेखा तैयार करने का गंभीर आरोप लगाया है। पवन चामलिंग का कहना है कि वित्त विधेयक 2023 द्वारा सिक्किम की परिभाषा में दो वर्ग को जोड़ने से सिक्किम सीमाहीन हो गया है और राज्य के बाहर के लोग इससे खुश हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि ग्रेटर सिक्किम की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिक्किम सरकार ने अभी तक इस मामले का खंडन करने के लिए एक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जबकि राज्य के बाहर से ग्रेटर सिक्किम के मुद्दे पर बात हो रही है। बुधवार को गंगटोक में एसडीएफ भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि सिक्किम की परिभाषा में दो और वर्ग को शामिल करने के पीछे पूरी साजिश है और इस मामले में गोल्डन हैंडशेक हुआ है।

सिक्किम के ओल्ड सेटलर्स एसोसिएशन ने कहा कि आयकर छूट के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले और वित्त विधेयक 2023 से सिक्किम की परिभाषा को कमजोर करने के बाद सिक्किम के अनुच्छेद 371एफ द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा समाप्त हो गई है और अनुच्छेद 14 को सिक्किम तक बढ़ा दिया गया है। दूसरी ओर, चामलिंग ने कहा कि सरकार का यह दावा कि सिक्किम में नेपालियों पर विदेशियों और अप्रवासियों का दाग पूरी तरह से मिट गया है जो पूरी तरह से निराधार है।

उन्होंने कहा कि नेपालियों पर विदेशियों और अप्रवासियों का दाग अभी भी लगा हुआ है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने केवल एक पैराग्राफ हटा दिया है, उसने यह फैसला नहीं सुनाया है कि सिक्किम के नेपाली विदेशी नहीं हैं। 20 फरवरी 2023 को नेपाली गोरखाली समुदाय के विदेशी होने के मुद्दे पर दिन भर पश्चिम बंगाल की विधानसभा में चर्चा होती रही। यह चिंता की बात है। अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला होता कि नेपाली विदेशी नहीं हैं, तो इस पर विधानसभा में चर्चा ही नहीं होती क्योंकि वह मामला अदालत की अवमानना का होता।

एसडीएफ के अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि एसकेएम सरकार द्वारा सिक्किम की पैरवी करने और राज्य की विशेष पहचान को अदालत के सामने रखने में विफल रहने के कारण सिक्किम की अक्षुण्ण पहचान समाप्त हो गई है और अनुच्छेद 371 एफ के तहत सिक्किम की रक्षा करने वाले सभी बिंदू समाप्त हो गए हैं।

13 जनवरी 2023 को, सुप्रीम कोर्ट ने सिक्किम की परिभाषा का पुनर्विश्लेषण किया लेकिन सिक्किम सरकार ने एसकेएम सरकार पर सिक्किम की विशेष सुरक्षा को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए समीक्षा याचिका दायर नहीं की। उन्होंने कहा, सरकार की योजना के कारण सिक्किम की पहचान को फिर से परिभाषित किया गया है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका है कि सिक्किम में रहने वाले सभी भारतीय नागरिक सिक्किमी हैं।

पवन चामलिंग ने कहा कि आयकर छूट मामले में धारा 371एफ को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं का अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक कोहली ने समर्थन किया, जिन्होंने सिक्किम सरकार के लिए तर्क दिया था। 2013 में दर्ज इस मामले में एसडीएफ सरकार ने कहा कि सिक्किम की अक्षुण्ण परिभाषा को बरकरार रखते हुए पुराने कारोबारियों को आयकर में छूट देने की दलील दी गई थी।

यह बताते हुए कि एसडीएफ सरकार के कारण 2013 में दर्ज की गई पहली याचिका में 52 संशोधन हुए थे, हालांकि, उन्होंने दावा किया कि एसकेएम सरकार इस मामले में सिक्किम का पक्ष लेने

में विफल रही। पवन चामलिंग ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एओएसएस मुद्दे और वित्त विधेयक के बाद सिक्किम के उचित वर्गीकरण को समाप्त कर दिया गया और अनुच्छेद 14 का विस्तार किया गया, सिक्किम का दरवाजा 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के लिए खोल दिया गया।

सरकार के इस दावे का सीधे तौर पर खंडन करते हुए कि सिक्किम को प्राप्त विशेष सुरक्षा अनुच्छेद 371एफ समाप्त नहीं हुआ है, उन्होंने कहा कि 10 अप्रैल को आयोजित सिक्किम विधानसभा के विशेष सत्र में सरकार द्वारा लाया गया प्रस्ताव 371एफ के परिसमापन की पुष्टि करता है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि अगर सिक्किम के विशेष प्रावधान खात्म नहीं किए गए थे तो सरकार 10 अप्रैल को विधानसभा में प्रस्ताव क्यों लेकर आई।

एसडीएफ पार्टी ने आवाज उठाई कि सिक्किम वर्तमान में जिन सभी मुद्दों का सामना कर रहा है, उन्हें ध्यान में रखते हुए विलय पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। पवन चामलिंग ने यह भी कहा कि सिक्किम का भारत में विलय जिन शर्तों के तहत किया गया था, उन्हें बहाल करने की मांग को दोहराते हुए एसडीएफ पार्टी इसी रणनीति पर काम करती रहेगी। 10 अप्रैल को विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि सर्वदलीय कमेटी बनाकर केंद्र के समक्ष जाया जाएगा। इस पर पवन चामलिंग ने कहा कि इससे कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि यह व्यक्ति के मरने के बाद जनाजे में शामिल होने के समान होगा।

371एफ के किसी भी खंड का नहीं किया गया है उल्लंघन : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 अप्रैल । सिक्किम में वित्त विधेयक को लेकर मचे घमासान के बीच मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने एक बार फिर दोहराया है कि इससे अनुच्छेद 371एफ के किसी खंड का उल्लंघन नहीं किया गया है और विधेयक के खंड (4) और (5) केवल आयकर छूट के लिए हैं। वहीं उन्होंने इसे लेकर कुछ लोगों द्वारा राजनीति करने का आरोप लगाया है।

इसे सही ठहराते हुए मुख्यमंत्री गोल ने विधानसभा के विशेष सत्र में देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा दी गई एक कानूनी राय पेश की, जिसमें कहा गया था कि भारत का संविधान विशेष रूप से 26 अप्रैल 1975 से पहले हस्ताक्षर किए गए समझौते की रक्षा करता है, जिसमें भारतीय गणराज्य एक पक्ष था। उसी समय भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371एफ अस्तित्व में आया था।

मुख्यमंत्री गोल ने आगे स्पष्ट किया, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371एफ के खंड (एम) को इस प्रकार पढ़ा जाता है कि न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय के पास सिक्किम से सम्बंधित किसी भी संधि, समझौते, एंगेजमेंट या अन्य उपकरण से उत्पन्न किसी भी विवाद या अन्य मामले के संबंध में अधिकार होगा, जिसे नियत दिन से पहले निष्पादित किया गया था और जिसमें भारत सरकार या इसकी पूर्ववर्ती सरकारें एक पार्टी थीं, लेकिन इस खंड में कुछ भी अनुच्छेद 143 के

प्रावधानों से अलग नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा, इसके आलोक में भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371एफ न्यायिक और कार्यकारी हस्तक्षेप से सुरक्षित रहते हुए राज्यवासियों के लिए हमेशा के लिए अक्षुण्ण है।

विशेष सत्र के दौरान, सीएम गोले ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 371एफ का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है और कुछ लोग इस पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार भी सिक्किमवासियों के अधिकारों के बारे में चिंतित है और वह भी किसी भी कीमत पर उक्त अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं चाहते हैं। उन्होंने इस सम्बंध में शीर्ष वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने की भी बात कही।

राज्यस्तरीय मेगा आमसा हीलिंग कैम्प को लेकर तैयारी बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

जोरथांग, 12 अप्रैल । आगामी 23 अप्रैल से 7 मई तक हेवेनली निर्वाण पाथ की सिक्किम शाखा द्वारा आयोजित किये जाने वाले राज्य स्तरीय मेगा अमासा हीलिंग कैम्प के सम्बंध में आज दक्षिण सिक्किम के जोरथांग पब्लिक भवन में एक समन्वय बैठक की गई। इसमें मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा राई मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। वहीं उनके अलावा भवन व आवास मंत्री संजीत खरेल, जोरथांग विधायक सुनीता गजमेर, व्यासानंद गुरु एमबी छेत्री, जोरथांग नगर पंचायत अध्यक्ष पवित्र मानव, दक्षिण पश्चिम युवा प्रमुख प्रभारी शेरहांग सुब्बा, जन कल्याण अभियान के मुख्य समन्वयक मनोज लामा समेत कई अन्य भी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार इस मेगा हीलिंग कैम्प के सफल आयोजन हेतु तत्पर है। वहीं इस दौरान विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री को कैम्प के मुख्य संरक्षक और मंत्री संजीत खरेल संरक्षक बनाए गए हैं। उनके अलावा 10 अन्य लोगों को भी समिति में शामिल किया गया है।

आज सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा राई ने जोरथांग खेल मैदान में लगने वाले इस नि:शुल्क आमसा हीलिंग कैम्प को काफी महत्वपूर्ण बताते हुए सभी को इसका लाभ उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने इसके लिए सभी से सामूहिक पहल करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि शिविर की देखरेख और उपचार गुरु ही करेंगे। बैठक को मंत्री संजीत खरेल और व्यासानंद गुरु ने भी संबोधित किया।

केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर पंचायतों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गेजिंग, 12 अप्रैल । विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के साथ ही राज्य के अग्रणी कार्यक्रमों पर 22 नवंबर से पदभार ग्रहण करने वाली पंचायतों के उन्मुखीकरण के क्रम में जिले में विभिन्न विभागों द्वारा कार्यान्वयन के तहत आज गेरेथांग जीपीके में योक्सम और चोंगरांग प्रखंडों के सभी जिला एवं ग्राम पंचायत सदस्यों के लिए एकदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आरडीडी के समन्वय से गेजिंग डीसी की अध्यक्षता में इसका आयोजन किया गया था।

इसमें एडीसी विकास सूरत गुरुंग, अतिरिक्त एएचवीएस निदेशक डा एनएम सिंटुरी, संयुक्त बागवानी निदेशक कर्मा शेरपा, केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक दिनेश बस्नेत, योक्सम एवं चोंगरांग बीडीओ क्रमश: एसएम लिम्बू एवं गरब दोरजी भूटिया के अलावा योक्सम एमओ डॉ. बिश्वास बस्नेत, डीपीओ डीएम सुमन राई, सहायक जिला मत्स्य निदेशक डुचेन लेप्चा एवं कई अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर गेजिंग डीसी ने केंद्र के साथ-साथ राज्य के एक प्रमुख कार्यक्रम जीरो वेस्ट एवं स्वच्छ भारत मिशन पर लक्षित समूह को उन्मुख करते हुए प्रस्तुति पेश की। साथ ही उन्होंने कठिन भौगोलिक अवस्थिति एवं जमीनी सीमाओं वाले सिक्किम जैसे पहाड़ी राज्यों के लिए विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को एकमात्र व्यावहारिक विकल्प बताते हुए कहा कि बीएसी और जीपीयू को सभी को आरआरसी के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने शिखचू में कचरा फेंकने को स्थायी समाधान नहीं बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं से स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का अनुरोध किया।

गौरतलब है कि अब तक तीन प्रखंडों में यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम पूरा कर लिया गया है और अब केवल गेजिंग और ही मार्तम प्रखंड की पंचायतें ही बाकी रह गई हैं। इन कार्यक्रमों का प्राथमिक उद्देश्य निर्वाचित पंचायत सदस्यों को सरकार की सभी जारी योजनाओं और कार्यक्रमों से अवगत कराना है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विस्तृत प्रस्तुति देते हुए पंचायती राज संस्थाओं को कृषि, केवीके, बागवानी, मत्स्य पालन, 'मेरो रुख मेरो संतति', स्वास्थ्य कार्यक्रम, किसान क्रेडिट कार्ड, आपदा प्रबंधन आदि पर क्षेत्रवार योजनाओं की जानकारी दी।

दिल्ली में फूटा कोरोना बम, 1,149 नए मामले, 1 की मौत

राजेश अलख

नई दिल्ली, 12 अप्रैल । दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 1149 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं कोरोना से संक्रमिक एक मरीज की मौत हुई है। मौत का प्राथमिक कारण कोरोना नहीं है। साथ ही बुधवार को 677 मरीज ठीक हो गए हैं। दिल्ली में अब कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 3347 हो गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभागकी ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक देश की राजधानी में बुधवार को कोरोना के कुल 4827 टेस्ट किए गए। इसमें से 1149 लोग पॉजिटिव पाए गए। कोरोना पॉजिटिविटी रेट 23.8 प्रतिशत दर्ज की गई।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अब तक कोरोना मामलों की संख्या 2017250 पहुंच गई है। वहीं कोरोना से मरने वालों की संख्या 26546 है। इससे पहले दिल्ली में मंगलवार को कोरोना वायरस के 980 नए मामले सामने आए थे। सकारात्मकता दर 25.98 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

मानसून को लेकर तैयारी बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 12 अप्रैल । पाकिम जिला कलेक्टर ताशी चोफेल ने आज रूर्बन कम्युनिटी कॉम्प्लेक्स में साल की पहली मानसून तैयारी बैठक की अध्यक्षता की। इसमें मानसून तैयारी उपायों के साथ ही बारिश, भूस्खलन, बाढ़, यातायात मुद्दों और जलवाही बीमारियों जैसी संभावित आपदाओं पर चर्चा की गई।

इस दौरान डीसी ताशी चोफेल ने मानसून के लिए तैयार रहने और आमलोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय कदम उठाने पर जोर देते हुए आपात स्थिति के दौरान तत्काल राहत व बचाव हेतु एनडीआरएफ, एसएसबी, ग्रेफ और सशस्त्र बलों की भागीदारी की प्रशंसा की। वहीं उन्होंने जुलाई महीने भारी वर्षा के कारण होने वाले भूस्खलन की रोकथाम हेतु चिन्हित क्षेत्रों में भली-भांति मिट्टी भराई और सड़कों की बैक-कटिंग का भी जिक्र करते हुए किसी भी यातायात समस्या को रोकने के लिए एनएचआईडीसीएल के लिए सड़क किनारे जल निकासी की आवश्यकता और मानसून से पहले अन्य सभी सड़कों को साफ करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

इस अवसर पर एक खुली चर्चा भी हुई जिसमें सम्बंधित विभाग के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने अपनी राय दी। इसके अलावा रेगु बीडीओ ने मानसून के दौरान रोलेप और छुजाचेन के बीच बिजली आपर्ति एवं सड़कों के मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए आपदा प्रबंधन उपकरणों के लिए आग्रह किया। इसी तरह, पाराखा बीडीओ ने मानसून में अवरूद्ध सड़कों और जल निकासी व्यवस्था के बारे में बोलते हुए पीएमजीएसवाई से इन सड़कों को साफ कराने का आग्रह किया। इन सभी पर एनएचआईडीसीएल महाप्रबंधक ने भूस्खलन के दौरान समस्या का तुरंत समाधान किए जाने और आमलोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने का आश्वासन दिया।

बैठक में पाकिम एसपी कर्मा ग्याछो, तृतीय बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल करणवीर साहोहा, आरसीसी ग्रेफ के मेजर एसवीके प्रताप, एनएचआईडीसीएल के कर्नल केए सिद्दीकी, एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट जसबीर सिंह, एडीसी विकास के अलावा पाकिम, रंगपो तथा रंगली एसडीएम और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

राज्यस्तरीय निगरानी और समन्वय समिति की बैठक आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 अप्रैल । प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना तथा नीली क्रांति के कार्यान्वयन प्रगति की समीक्षा के लिए आज स्थानीय तादोंग स्थित कृषि भवन सभागार में चौथी राज्य स्तरीय निगरानी और समन्वय समिति की बैठक का आयोजन हुआ। राज्य के पशुपालन व पशु चिकित्सा सेवा सचिव डा पी सेंथिल कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कृषि सचिव जिग्मी दोरजी भूटिया, मत्स्य निदेशक जसवंत, एसआरएलएम आरडीडी सीईओ तेनजिंग टी काल्योन, अतिरिक्त जल संसाधन अभियंता आशिम बस्नेत एवं सीईईपीएचटी के सहायक प्रोफेसर बसंत कुमार सिंह के अलावा अन्य प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए सम्बंधित जिलास्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित पीएमएमएसवाई की जिला कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना और नीली क्रांति के कार्यान्वयन की प्रगति की हुई समीक्षा

के बाद उसके आधार पर राज्य वार्षिक कार्य योजना में संशोधन, सुधार और अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही यहां राज्य में नीली क्रांति, पीएमएमएवाई, एमएमएमयूवाई और मत्स्य पालन की अन्य गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। वहीं इसमें मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय से और अधिक धन की मांग करके राज्य में मत्स्य क्षेत्र के विकास में और तेजी लाने हेतु मछली किसानों और मछुआरों की आकांक्षाओं के आधार पर नए प्रस्तावों पर विचार किया गया।

इस दौरान सचिव डॉ. सेंथिल कुमार ने लाभार्थी द्वारा जारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय से पूरा किया जाने और तत्काल कार्यान्वयन में किसी भी देरी से बचने हेतु पीएफएमएस के माध्यम से धन जारी किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि पीएमएमएवाई के तहत इसे जल्द से जल्द पूरा करने हेतु बैठक में प्रत्येक गतिविधि के लिए समय निर्धारित किया गया है।

तीन-चार दिन में दिख जाएगी विपक्षी एकता की तस्वीर

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। विपक्षी एकता की तस्वीर कैसी होगी? कितनी पार्टियां इसमें शामिल होंगी? नेतृत्व कौन सी पार्टी करेगी? कुछ ऐसे ही सवाल देश की राजधानी दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में गूंज रहे हैं। ऐसे सवाल उठे रहे हैं, नीतीश कुमार को लेकर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, इस समय दिल्ली में हैं।

नीतीश कुमार दिल्ली में तीन दिन रुकेंगे।

बुधवार को उनकी मुलाकात सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से हो गई। उम्मीद की जा रही है कि इन तीन दिनों में विपक्ष की तमाम पार्टियों के बड़े नेता नीतीश कुमार से मिलेंगे। संभव है कि इस बार विपक्षी एकता को लेकर कोई ना कोई खाका जरूर तैयार कर ली जाएगी।

यहां बता दें कि लगभग 5 महीने पहले भी नीतीश कुमार दिल्ली आए थे। उस दौरान उन्होंने शरद पवार, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, सीताराम येचुरी समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। उस समय कांग्रेस ने अपनी तरफ से कोई खास पहल नहीं की थी। डेढ़ दो महीने पहले भी नीतीश कुमार ने प्रत्यक्ष रूप से कह दिया था कि कांग्रेस हालात को समझ नहीं पा रही है। गठबंधन को लेकर वह बहुत गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। नीतीश कुमार की बातों को उस समय तो गंभीरता से नहीं लिया गया था, लेकिन अब शायद कांग्रेस ने भी मन बना लिया है।

विपक्षी एकता को मजबूत करने में अब देरी नहीं करनी चाहिए। नीतीश का दिल्ली आना इस बात का संकेत है कि कांग्रेस ने ही कुछ पहल की होगी। वैसे भी पांच-छः महीने पहले जब नीतीश कुमार राहुल गांधी से मिले थे तो उस समय मलिकार्जुन खरगे न तो कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और ना ही राहुल गांधी की सांसदी गई थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं।

राहुल गांधी पर चारों तरफ से हमले होने लगे हैं। उन्हीं की पार्टी से अलग हुए गुलाम नबी आजाद ने भी राहुल गांधी और उनके परिवार पर विदेशी कारोबारियों से संबंध होने का आरोप लगा दिया है।

जिसके बाद भाजपा उनसे सवाल पूछ राशि है। उधर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी अडानी के खिलाफ कांग्रेस के हमले को गैरजरूरी करार दिया है। जेपीसी की मांग को भी बहुत उचित नहीं बताया है। ऐसे में कहीं न कहीं कांग्रेस को लगने लगा था कि जो भी करना है ,अब जल्दी कर लिया जाए। कहीं ऐसा ना हो कि बहुत देर हो जाए। विपक्ष की सभी पार्टियां भाजपा और मोदी के खिलाफ हैं। सबको यह भी पता है कि अलग-अलग चुनाव लड़कर कोई भी पार्टी भाजपा का मुकाबला नहीं कर पाएगी।

सब को यह भी पता है कि कांग्रेस को माइनस करके विपक्ष चाहे कितना ही मजबूत हो जाए। भाजपा और मोदी मुकाबला भले ही कर लें सफलता ना के बराबर ही मिलेगी।

नीतीश कुमार अगर तीन दिन की यात्रा पर दिल्ली आए हैं, तो यह मान लेना चाहिए कि वह पूरी रणनीति बनाकर आए हैं और विपक्ष के कई बड़े नेताओं से बात करके आए हैं। ऐसे में पूरी संभावना है कि अगले तीन-चार दिन में विपक्षी एकता की एक तस्वीर पूरे देश को देखने को मिल जाएगी।

राज्यपाल से गतिरोध में गैर बीजेपी शासित राज्यों से समर्थन जुटा रहे स्टालिन, पत्र लिख्कर की अपील

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। तमिलनाडु में स्टालिन सरकार और राज्यपाल आर एन रवि के बीच जारी गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब उन्होंने गैर-भाजपा शासित राज्यों से अपनी-अपनी विधानसभाओं में 'राज्यपाल के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय' करने संबंधी प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही स्टालिन ने केंद्र सरकार से भी आग्रह किया है कि वह विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों के लिए समय सीमा तय की जाए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को गैर-भाजपा शासित राज्यों से अपनी-अपनी विधानसभाओं में प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। साथ ही केंद्र से अनुरोध किया कि विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों के लिए समय सीमा तय की जाए।

गैर भाजपा शासित राज्यों के अपने समकक्षों को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि कुछ राज्यपाल आज अनिश्चित काल के लिए विभिन्न विधेयकों को रोक रहे हैं, जो राज्य विधानसभाओं द्वारा विधिवत पारित किए गए हैं और अनुमोदन के लिए भेजे गए हैं। राज्यपाल के ऐसा करने से संबंधित राज्य प्रशासन बिलों से संबंधित ऐसे क्षेत्रों में गतिरोध में आ गए हैं। उन्होंने पत्र में आगे लिखा कि हमारे कई प्रयास विफल रहे और हमें पता चला कि कई अन्य राज्यों में भी ऐसे ही मुद्दे हैं। ऐसे में हमने अपनी राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार और भारत के राष्ट्रपति से समय सीमा तय करने का आग्रह किया।

अपने पत्र में सीएम एमके स्टालिन ने 10 अप्रैल, 2023 को तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव की एक प्रति संलग्न की है। साथ ही उन्होंने कहा मुझे यकीन है कि आप संकल्प की भावना और इस विषय से सहमत होंगे। साथ ही संप्रभुता और स्वयं को बनाए रखने के लिए इस संबंध में अपना समर्थन देंगे। उन्होंने अपील करते हुए लिखा कि आप भी अपने राज्य की विधानसभा में इसी तरह का प्रस्ताव पारित करके राज्य सरकारों और विधानसभाओं का सम्मान करें।

पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है कि संविधान में राज्यपाल के साथ-साथ संघ और राज्य सरकारों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है।

हालांकि, ऐसे समय-परीक्षित सिद्धांतों का न तो सम्मान किया जाता है और न ही अब उनका पालन किया जा रहा है, इसका राज्य सरकारों के कामकाज पर असर पड़ता है। स्टालिन ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, भारतीय लोकतंत्र आज एक चौराहे पर खड़ा है और तेजी से हम राष्ट्र के शासन से सहकारी संघवाद की भावना को लुप्त होते देख रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से आग्रह किया गया कि वे विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को एक निश्चित अवधि के भीतर स्वीकृति देने के लिए तुरंत तमिलनाडु के राज्यपाल को उचित निर्देश जारी करें।

बता दें, तमिलनाडु के मंत्री दुरई मुरुगन ने राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने तमिलनाडु की विधानसभा की विधायी शक्ति स्थापित करने और राज्यपाल को लोगों के हितों के खिलाफ कार्य करने से रोकने के लिए केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से आग्रह किया गया कि वे विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को एक निश्चित अवधि के भीतर स्वीकृति देने के लिए तुरंत तमिलनाडु के राज्यपाल को उचित निर्देश जारी करें। वहीं,मुख्यमंत्री ने भी राष्ट्रपति से इस मामले में आदेश जारी करने का आग्रह किया। स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि लोगों के हितों के खिलाफ जो लोग काम कर रहे हैं। उन्हें जल्द रोका जाना चाहिए।

आनंद शर्मा बोले- राहुल की सजा भारतीय न्यायपालिका के लिए लिटमस टेस्ट, उम्मीद है पलटा जाएगा फैसला

लंदन, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने बुधवार कहा कि देश में इस समय संवैधानिक लोकतंत्र को चुनौती दी जा रही है। ऐसे में यह न्यायपालिका के लिए एक लिटमस टेस्ट है। जिस तरह से राहुल गांधी की सदस्यता छीन ली गई, उससे लोगों में सही संदेश नहीं जाएगा। पार्टी मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल की दोषसिद्धि और लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया जाना कानून में बहुत त्रुटिपूर्ण है। उम्मीद है कि इसे ठीक कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने और अयोग्य ठहराए जाने के फैसले के बारे में काफी कुछ कहा गया है, लेकिन यह कानून और संविधान में 'बहुत त्रुटिपूर्ण' है। अगर यही पैमाना लागू किया जाता तो शायद भारतीय संसद को खोखला कर दिया जाता। राजनीतिक दलों के अधिकांश प्रमुख नेता दशकों से संसद से बाहर रहे हों, ऐसा कभी नहीं हुआ है। शर्मा ने कहा, यह भारतीय न्यायपालिका के लिए भी अग्निपरीक्षा होगी।

उन्होंने आगे कहा, मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि जो गलत है उसे ठीक कर लिया जाएगा। कानून में एक 'त्रुटिपूर्ण फैसले' को पलट दिया जाएगा। मैं कानून और संविधान के बारे में अपनी समझ यह बात कह रहा हूं। सरकारी आवास पर कब्जे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नियमों और विनियमों का उल्लंघन नहीं किया है। वह संसद द्वारा तय नियमों के अनुसार आवास में रहने के लिए किराया दे रहे हैं।

गांधी को मानहानि के एक मामले में सूरत की अदालत ने दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद पूर्व कांग्रेस प्रमुख को संसद से भी अयोग्य घोषित कर दिया गया था। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी को 22 अप्रैल तक तुकलक रोड स्थित सरकारी बंगला खाली करने को कहा है।

ब्रिटेन को भारत की खरी-खरी, कहा- खालिस्तानी शरणार्थी दर्जे का का रहे दुरुपयोग, लगाम लगाएं

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। भारत ने ब्रिटेन से साफ कह दिया है कि किसी भी स्थिति में वह अपने यहां भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले खालिस्तानी समर्थकों पर लगाम लगाए। इतना ही नहीं, बुधवार को 5वीं भारत-यूके गृह मामलों की वार्ता में भारत ने खालिस्तान समर्थक तत्वों को ब्रिटेन में मिले शरणार्थी दर्जे पर चिंता भी जताई। भारत का पक्ष रख रहे केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कहा कि ये खालिस्तानी समर्थक तत्व अपने शरणार्थी दर्जे का दुरुपयोग कर चंदा जुटा रहे हैं और भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। वे भारत विरोधी गतिविधियों के लिए आर्थिक सहायता भी दे रहे हैं।

वार्ता में भारत का पक्ष रख रहे केंद्रीय गृह सचिव, अजय कुमार भल्ला ने अपने संबोधन के दौरान ब्रिटेन से बेहतर सहयोग के साथ ही खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों की निगरानी बढ़ाने और उचित सक्रिय कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उसकी सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियां खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों पर नजर रखें और ऐसे कदम उठाएं जिनसे ये उग्रपंथी तत्व कोई हिंसात्मक कदम न उठा सकें।

इस वार्ता को लेकर भारतीय गृह मंत्रालय ने एक बयान भी जारी किया है। अपने बयान में मंत्रालय ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने जबकि ब्रिटेन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्थायी सचिव गृह कार्यालय सर मैथ्यू रीक्रॉफ्ट ने किया। उनके अलावा इस बैठक में दोनों देशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

इस चर्चा में दोनों पक्षों ने चल रहे सहयोग की समीक्षा की। साथ ही यूके में आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, मादक पदार्थों की तस्करी, प्रवासन, प्रत्यर्पण और भारत विरोधी गतिविधियों के बीच खालिस्तान समर्थित उग्रवाद पर लगाम लगाने में सहयोग और तालमेल को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। इस बैठक में दोनों पक्षों द्वारा जारी साझेदारी पर संतोष जताते हुए द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर सहमति जताई। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और भी तीव्र गति से बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

गौरतलब है कि बीते माह लंदन में भारतीय उच्चायोग पर लगातार हमले और उसके बाहर प्रदर्शन के मामले सामने आए थे। जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त को तलब किया था। खालिस्तान समर्थक समूह सिख कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह पर पंजाब पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे थे।

माफिया अतीक अहमद के करीबियों के कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गैंगस्टर अतीक अहमद और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले से संबंधित एक जांच के सिलसिले में बुधवार को उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापेमारी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रयागराज और उसके आसपास के इलाकों सहित दर्जनों जगहों पर छापे मारे जा रहे हैं।

अतीक को उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में पेशी के लिए गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज ले जाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस की एक टीम उसे सड़क मार्ग से लेकर बुधवार को प्रयागराज पहुंचेगी।

उमेश पाल और उसके दो पुलिस सुरक्षा गार्ड की इस साल 24 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

उमेश पाल की पत्नी जया पाल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर 25 फरवरी को अतीक, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों-गुड्डू मुस्लिम और गुलाम तथा नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस 26 मार्च को भी अतीक को अदालत में पेश करने के लिए साबरमती जेल से प्रयागराज ले गई थी।

ईडी ने 2021 में अतीक के खिलाफ चल रही धन शोधन मामले की जांच के तहत उसकी और उसकी पत्नी की आठ करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। उस समय भी जांच एजेंसी ने कई जगहों पर छापे मारे थे।

ईडी ने कहा था कि उसकी जांच में पता चला है कि अतीक आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से काली कमाई करता था, वह सारा पैसा नगद लेता और इसे अपने और अपने रिश्तेदार के बैंक खातों में जमा कराता था। जांच एजेंसी ने कहा था, ईडी ने यह भी पाया है कि अतीत और उसके रिश्तेदारों के बैंक खातों में विभिन्न कंपनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा पैसा जमा कराया गया था। इन कंपनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का संचालन अतीक के सहयोगी करते हैं।

सीएम योगी ने टीम-9 के साथ कोरोना की स्थिति की समीक्षा की, अस्पतालों में मास्क अनिवार्य करने के निर्देश

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। देश में बढ़ते कोरोना के नए मामलों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राज्य स्तरीय कोविड सलाहकार समिति और उच्चस्तरीय टीम-9 के साथ प्रदेश की स्थिति की समीक्षा की और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय से देश के विभिन्न राज्यों में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्तमान में देश में 38 हजार से अधिक एक्टिव केस हैं, हालांकि उत्तर प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है। यहां न केवल पॉजिटिविटी दर कम है, बल्कि जो कोविड पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं, उनकी स्थिति भी सामान्य है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यह स्थिति घबराने की नहीं सतर्क और सावधान रहने की है। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर अस्पतालों में मास्क अनिवार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 1791 एक्टिव केस हैं और अप्रैल माह में अब तक पॉजिटिविटी दर 0.65 प्रतिशत रही है। पिछले अनुभवों को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक होगा कि हम हर स्तर पर सतर्क रहें। हमें अलर्ट मोड में रहना होगा। लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, वाराणसी, आगरा और मेरठ जनपद में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। कोविड के हर संदिग्ध मरीज को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए। स्थानीय जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए सभी जिलों में डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल तत्काल क्रियाशील कर दिया जाए।

उत्तर प्रदेश कोविड टीकाकवर से सुरक्षित है। सर्वाधिक टीकाकरण उत्तर प्रदेश में हुआ है। राज्य स्तरीय कोविड सलाहकार समिति की रिपोर्ट बताती है कि कोविड को लेकर प्रदेश में किसी बड़े खतरे की आशंका न्यून है, लेकिन हमें कोविड अनुकूल व्यवहार को अपनाना चाहिए। गंभीर रोग से ग्रस्त, वृद्धजन भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आवागमन से यथासंभव बचने का प्रयास करें। यदि जाएं तो मास्क लगाकर ही जाएं। इस संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए। अस्पतालों के बाहर भी पब्लिक एड्रेस सिस्टम से जागरूकता प्रसार करें। अस्पतालों में मास्क का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए।

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। चुनाव प्रचार और मतदान के बीच संक्रमण प्रसार की आशंका भी है। ऐसे में हर मतदाता की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो और वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, इसके लिए मुख्य सचिव स्तर से राज्य निर्वाचन आयोग से संवाद स्थापित करते हुए आवश्यक उपाय किए जाएं। आवश्यकतानुसार मतदान कार्मिकों को कोविड सुरक्षा किट भी उपलब्ध कराया जाए।

कोविड से बचाव के लिए उत्तर प्रदेश में सभी जरूरी लॉजिस्टिक उपलब्ध हैं। विगत वर्ष स्थापित सभी ऑक्सीजन ख्लांट क्रियाशील हों। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को उपलब्ध कराए गए वेंटिलेटर एक्टिव हों। पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती हो। जहां वेंटिलेटर हो वहां एनेस्थेटिक की तैनाती जरूर की जाए।

विगत दिवस आयोजित प्रदेशव्यापी मॉक ड्रिल में जहां भी जिस भी तरह की कमी पाई गई हो, उसे तत्काल ठीक किया जाए। सभी 75 जनपदों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम हों। इंटीग्रेटेड कोविड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर को

तत्काल एक्टिव करें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जारी गेहूं खरीद प्रक्रिया के तहत अब तक 19 हजार मीट्रिक टन गेहूं क्रय किया जा चुका है। खरीद के बाद किसानों को भुगतान में कतई देरी न हो। तय समय के भीतर किसानों के बैंक खाते में गेहूं मूल्य का भुगतान कर दिया जाए। क्रय केंद्रों पर किसानों की जरूरतों का भी ध्यान रखें।

स्वामित्व, घरौनी और वरासत जैसे कार्यक्रमों ने आमजनमानस को बड़ी सुविधा प्रदान करने में सफलता प्राप्त की है। इनकी अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाए। अब तक 60 लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी प्रदान की जा चुकी है। ड्रोन सर्वेक्षण के कार्य भी पूरा हो चुका है। हमारा लक्ष्य हो कि इस वर्ष के अंत तक सभी पात्र ग्रामीणों को उनके घरों का मालिकाना हक देने वाला प्रमाण पत्र 'घरौनी' मिल जाए।

भविष्य की जरूरतों के दृष्टिगत नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना संचालित हो रही है। पीएम कुसुम योजना किसानों को अपनी भूमि पर स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से स्वयं के लिए बिजली उत्पादन करने और ग्रिड को बिजली बेचने का विकल्प प्रदान करते हुए अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर देती है। इस योजना को लेकर किसानों में उत्साह है। अधिकाधिक किसानों को इस योजना का लाभ दिलाया जाए।

भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन में पीयूष गोयल ने कहा- भारत में अपार संभावनाएं

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि विकास के पथ पर अग्रसर भारत में अवसरों का बड़ा भंडार है यानी अवसरों की अपार संभावनाएं हैं। गोयल फ्रांस के दौरे पर हैं, उन्होंने मंगलवार को पेरिस में भारत-फ्रांस बिजनेस समिट और सीईओ राउंडटेबल को संबोधित करते हुए कहा: हम वस्तुओं और सेवाओं के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक हैं।

वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है, और हमें आशा है कि यह विकास पथ जारी रहेगा। हमें उम्मीद है कि 2030 तक हमारे सामान और सेवाओं का निर्यात 765 अरब डॉलर से बढ़कर 2 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा।

मंत्री ने आगे कहा कि भारत और फ्रांस दोनों ही हरित भविष्य के निर्माण को सर्वोच्च महत्व देते हैं। दोनों देशों के महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्य हैं। हरित भविष्य के निर्माण से भारी बाजार अवसर पैदा होते हैं, लेकिन इसके लिए बड़े निवेश और तकनीकी सफलताओं की भी आवश्यकता होती है। हाल के वर्षों में, हरित प्रौद्योगिकियों में, विशेष रूप से फ्रांस से भारत तक, निवेश, सहयोग और संयुक्त उद्यमों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पेरिस में भारत के दूतावास ने उद्योग निकाय सीआईआई, मौवेमेंट डेस एंट्रेप्रिसेस डी फ्रांस (एमईडीईएफ) और इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई) के सहयोग से भारत-फ्रांस बिजनेस समिट और सीईओ राउंडटेबल का आयोजन किया। विदेश व्यापार, आर्थिक आकर्षण और विदेश में फ्रांसीसी नागरिकों के फ्रांसीसी मंत्री प्रतिनिधि, ओलिवियर बेख्त ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों को बढ़ावा देंगे।

उन्होंने कहा, दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के नाते भारत में कई विनिर्माण गतिविधियों को आकर्षित करने की क्षमता है। पहले से ही, कई फ्रांसीसी कंपनियां भारत में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं, और आगे सहयोग के लिए जबरदस्त अप्रयुक्त क्षमता है।

सीईओ राउंडटेबल में भारतीय और फ्रांसीसी कंपनियों के 50 से अधिक सीईओ ने भाग लिया।

नक्सलियों ने 14-15 अप्रैल को बिहार-झारखंड बंद बुलाया

गया, 12 अप्रैल (नि.सं.)। भाकपा माओवादी संगठन ने 14 और 15 अप्रैल को बिहार-झारखंड बंद करने का ऐलान किया है। यह पर्चा आज सुबह इमामगंज पुलिस अनुमंडल अंतर्गत भदवर, बांकेबाजार और रौशनगंज थाना क्षेत्र में गिराया गया है। बताया गया है कि यह बंदी बीते दिनों झारखंड के चतरा में मारे गए 5 नक्सलियों के विरोध में बुलाई गई है।

नक्सली पर्चे में कहा गया है कि बुलाई गई बंदी का व्यापक असर इलाके में दिखना चाहिए। फिलहाल पर्चे को सीआरपीएफ व जिला पुलिस ने जब्त कर लिया है। नक्सली पोस्टर की जांच की जा रही है।

पोस्टर में नक्सलियों का कहना है कि 14 और 15 अप्रैल को बंदी का आह्वान किया गया है। इस बंदी में आम जनता खुलकर आगे आए और गरीबों की लड़ाई को अंतिम चरण तक ले जाने में साथ दे। हालांकि इस बंदी में प्रेस, दूध, एंबुलेंस का मुक्त रखा गया है।

नक्सली पर्चा में कहा गया है बंदी मूल रूप से दक्षिण बिहार और पश्चिमी झारखंड में प्रभावी रहेगा। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि मारे गए 5 नक्सलियों का बदला लेने के लिए भाकपा माओवादी संगठन का पीएलजी ग्रुप अपने काम में लग चुका है। बीते 3 अप्रैल 2023 को कामरेड गौतम पासवान, अमर, नंदू, संजीत अजीत को झूठी मुठभेड़ में हत्या करने के विरोध में बिहार-झारखंड बंद करने का ऐलान किया गया है। चेतावनी भी दी गई है कि नहीं बंद करने पर जन अदालत लगाकर सजा दी जाएगी।

बिहार में बीजेपी सांप्रदायिक माहौल बिगाड़कर वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है : जदयू

पटना, 12 अप्रैल (का.सं.)। जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विकास की राजनीति का दिखावा करती है जबकि उसकी वास्तविकता सांप्रदायिक माहौल बिगाड़कर मतों का ध्रुवीकरण करना है।बिहार के सासाराम और बिहारशरीफ के बाद पड़ोसी राज्य झारखंड के जमशेदपुर में हुए दंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा कि भाजपा सांप्रदायिक ताकतों को प्रश्रय देती है। उन्होंने कहा कि अभी सासाराम और बिहारशरीफ में हुए उपद्रवों को शांत हुए चंद दिन भी नहीं बीते कि वैसे ही मुद्दों पर जमशेदपुर सुलगने लगा है। क्षोभ का विषय है कि यहां भी दंगे फैलाने में भाजपा नेता का ही नाम आ रहा है।

जद (यू) प्रवक्ता ने सवाल किया कि भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि देश के किसी भी हिस्से में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की घटना के तार उसके या उसके समर्थक संगठनों से क्यों जुड़ जाते हैं? एक बयान में उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य का माहौल बिगाड़ कर वोटों की खेती करने में भाजपा को विशेषज्ञता हासिल है। दिखावे के लिए विकास की राजनीति करने का दावा वह जरूर करती है लेकिन इनका विकास कुछ ख़ास पूंजीपतियों के दरवाजे से आगे नहीं बढ़ पाता है।

रंजन ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा, इसलिए जहां वह सत्ता में नहीं है, वहां उपद्रवों में लिप्त नजर आ रही है। उन्होंने दावा किया, इस बात की पूरी आशंका है कि आगे भी वे देश की गंगा-जमुनी तहजीब को बिगाड़ने की हरसंभव चेष्टा करेंगे। सियासी जानकारों की मानें तो बिहार में जेडीयू के इस बयान के बाद सियासी बवाल होना तय है। बीजेपी नेताओं की ओर से भी इसका जवाब दिया जाएगा। जिसके बाद बिहार में एक बार फिर बयानबाजी का दौर शुरू हो सकता है।

पूर्णेश मोदी ने किया राहुल की याचिका का विरोध

'कांग्रेस का प्रदर्शन अदालत पर दबाव बनाने का कृत्य'

अहमदाबाद, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने सूरत की एक अदालत में आपराधिक मानहानि के मामले में दोषसिद्धी पर रोक लगाने की राहुल गांधी की याचिका का विरोध किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेता बार-बार अपराध करने वाले अपराधी हैं और उन्हें मानहानिकारक बयान देने की आदत है।

मोदी ने अदालत के बाहर कांग्रेस के प्रदर्शन का जिक्र किया और कहा कि जिस तरह से गांधी दो साल जेल में की सजा सुनाए जाने के मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने आए, वह 'असाधारण अहंकार' और 'बचकाना अहंकार' का बहुत बुरा प्रदर्शन है और यह 'अदालत पर दबाव बनाने का अपरिपक्व कृत्य' दिखाता है।

सत्र अदालत गांधी की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगी। शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी ने मंगलवार को जवाब में अपना हलफनामा दाखिल किया। उन्होंने गांधी पर अपने सहयोगियों और कांग्रेस नेताओं के जरिए अदालत के खिलाफ अनुचित और तिरस्कारपूर्ण टिप्पणी करने का भी आरोप लगाया। पूर्णेश मोदी ने अपने हलफनामे में कहा, आरोपी की अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक आलोचना व असहमति के नाम पर ऐसे अपमानजनक और गैर जिम्मेदाराना बयान देने की आदत है, जो दूसरों की भावना को आहत कर सकते हैं।

पूर्ववर्ती गुजरात सरकार में मंत्री रह चुके पूर्णेश मोदी ने कहा, आरोपी बार-बार अपराध करने वाला है और अन्य जगहों पर भी मानहानिकारक बयानों के लिए आरोपों का सामना कर रहा है और एक मामले में माफी मांगने के बाद उच्चतम न्यायालय ने उसे चेतावनी दी थी।

मोदी ने अपने हलफनामे में आपराधिक मानहानि के 11 मामलों और विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने (जिनमें से सात वर्तमान में विभिन्न अदालतों में लंबित हैं) का हवाला दिया, जिसका सामना गांधी कर रहे हैं।

विपक्षी एकता अपने आप में बड़ा भ्रम, नीतीश से असंभव : चिराग पासवान

पटना, 12 अप्रैल (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली में हैं। मिशन विपक्षी एकता के तहत दिल्ली में नेताओं से मिल रहे हैं। एकता बनाने की कवायद कर रहे हैं। वहीं लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान का कहना है कि विपक्षी एकता अपने आप में बड़ा भ्रम है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एक तो विपक्षी एकता होगा ही नहीं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विपक्षी एकता हो पाना असंभव है।

पटना में पत्रकारों से जमुई के सांसद चिराग पासवान ने कहा कि इससे पहले भी वर्ष 2014 और 2019 में इसके प्रयास किए गए थे और अब फिर 2024 के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में नीतीश कुमार से कई बड़े नेता हैं और कई बड़े दल हैं। ऐसे में कोई क्यों 40 विधायकों वाली पार्टी के नेता को अपना नेता मानेगा?

चिराग ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर वे किस मॉडल को लेकर जाएंगे? पटना में उनके बगल में सैकड़ों झोपड़ियां जल गई हैं, उसे देखने की इन्हें फुर्सत नहीं और पीएम बनने की महत्वकांक्षा में दिल्ली पहुंच गए। लोजपा (रामविलास) के नेता ने कहा कि नीतीश के लिए महात्वाकांक्षा के अलावा बिहार और बिहारी से कुछ लेना देना नहीं है।

पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने साफ कहा कि चुनाव के समय ही ये तय किया जाएगा, कि उनकी पार्टी किस गठबंधन के साथ जाएगी। उन्होंने कहा अभी पार्टी की प्राथमिकता संगठन मजबूत करना, जनाधार बढ़ाना और लोगों के बीच जाना है।

केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के एक बयान को लेकर उन्होंने कहा कि पापा (रामविलास पासवान) के निधन के बाद परिवार में वे ही सबसे बड़े थे, लेकिन उन्होंने पार्टी तोड़ दी, परिवार तोड़ दिया। उन्होंने कभी मुझे अपना माना ही नहीं। उन्होंने हालांकि ये भी कहा कि अब वे इनसे बहुत आगे निकल गए हैं, इस कारण इन बातों का कोई मतलब नहीं।

पटना हवाई अड्डे पर बम की खबर से हड़कंप, अफवाह फैलाने का आरोपी गिरफ्तार

पटना, 12 अप्रैल (का.सं.)। बिहार की राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण हवाई अड्डे पर बुधवार को बम की सूचना मिलने पर हड़कंप मच गया। बम की सूचना के बाद पुलिस बल और बम निरोधक दस्ता हवाई अड्डा पहुंच गया।

पुलिस के मुताबिक, इस सूचना के बाद पुलिस ने हवाई अड्डे के बाहर और अंदर मोर्चा संभाल लिया और सूचना के आधार पर बम की तलाशी शुरू हुई।

हवाई अड्डे के चप्पे-चप्पे पर बम की तलाश की गई, लेकिन बम नहीं मिला।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने बताया कि करीब 10:45 बजे पटना हवाई अड्डे के अधिकारी को एक अज्ञात फोन कॉल के द्वारा हवाई अड्डा पर बम होने की सूचना दी गयी।

हवाई अड्डा ऑथोरिटी द्वारा इसकी सूचना मिलते ही पटना पुलिस की टीम तत्काल हवाई अड्डा पहुंच कर बम निरोधक दस्ता, सीआईएसएफ एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर हवाई अड्डा के अंदर एवं बाहरी परिसर की एहतियातन सुरक्षा जांच की गयी।

सुरक्षा जाँच के दौरान किसी प्रकार का बम अथवा अन्य कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि अब तक के जांच से यह सूचना गलत पायी गयी है।

उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान कर ली गयी है, जिसे समस्तीपुर पुलिस द्वारा पूछ-ताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कॉल करने में प्रयुक्त मोबाइल भी बरामद किया गया है।

नदी में डूबने से भाई-बहन की मौत, डूबते भाई को बचाने गई बहन भी डूबी

जमुई, 12 अप्रैल (नि.सं.)। जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के छापा गांव में बुधवार की दोपहर बाद खैरन नदी में नहाने गए भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान छापा गांव निवासी शंभु यादव की 8 वर्षीय पुत्री सोनाली कुमारी तथा 6 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि मंगलवार को शंभू यादव के घर एक बच्चे की मौत हो गई थी। जिसको लेकर दूसरे दिन श्राद्ध कार्यक्रम के तहत स्नान करने के लिए गांव स्थित खैरन नदी में नहाने के लिए उसकी पत्नी और दोनों बच्चे गए थे। जब उसकी पत्नी कपड़ा साफ कर उसे धूप में सुखाने के लिए गई। तभी नहाने के दौरान 6 वर्षीय अंकुश डूबने लगा जिसे बचाने गई 8 वर्षीय सोनाली भी डूबने लगी। हालांकि बच्चे की आवाज सुन उसकी मां जबतक दौड़ी तब तक दोनों बच्चे नदी के गहरे पानी में डूब चुके थे। महिला की आवाज सुनने के बाद आसपास के लोग जमा हो गए। घंटों मशक्कत के बाद दोनों बच्चे को नदी से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद झाझा थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं छापा गांव के पूर्व वार्ड सदस्य संजय यादव ने बताया कि एक दिन पहले ही शंभु यादव के घर के एक बच्चे की मौत हुई थी। जिसके श्राद्ध कार्यक्रम में स्नान करने के लिए उसकी पत्नी और दोनों बच्चे बुधवार को पास स्थित नदी में नहाने गए थे। तभी दोनों बच्चे डूब गए और दोनों की मौत हो गई। वहीं पूर्व वार्ड सदस्य ने जिला प्रशासन से मृतक परिवार वालों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। वहीं अचानक हुई इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रो-कर बुरा हाल है।

सीएम नीतीश का नाम सुनते ही भड़के सांसद छेदी पासवान, बोले- नीतीश कुमार का नहीं है कोई वजूद

कैमूर, 12 अप्रैल (नि.सं.)। बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकजुटता को लेकर दिल्ली पहुंचे हैं और लगातार विपक्षी दलों से मुलाकात कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे हो या राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव और फिर राहुल गांधी सभी से मुलाकातों का दौर जारी है।

कैमूर पहुंचे सासाराम संसदीय क्षेत्र के बीजेपी सांसद छेदी पासवान से जब नीतीश कुमार के विपक्षी एकजुटता को लेकर सवाल पूछा गया पहले तो भड़क गए कहने लगे 'छोड़िए ईसब को, काहे लिए ई सब कुछ पूछते रहते हैं'। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री से आगे कुछ बन ही नहीं सकते हैं। क्या विपक्षी एकजुटता होगी जब विपक्ष का कोई प्रधानमंत्री का उम्मीदवार अभी तक सही नहीं हुआ है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और यही रहेंगे।

दरअसल, नीतीश कुमार 2024 में प्रधानमंत्री के उम्मीदवार पद के लिए अपने आप को पहले पेश कर चुके हैं। फिर नरेंद्र मोदी की सरकार को गिराने को लेकर लगातार विपक्षी एकजुटता में लगे हुए हैं। वह चाहते हैं पूरे देश के विपक्ष एकजुट हो जाए और नरेंद्र मोदी को दोबारा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में बुरी तरह पराजित किया जाए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पीएम फेस के रूप में लगाते हुए पोस्टर भी जदयू कार्यालय के पास लगाए गए। जिसको लेकर नीतीश कुमार लगातार ताबड़तोड़ विपक्षियों से मुलाकात कर रहे हैं जिसको लेकर सियासत भी गरमा गई है।

सासाराम संसदीय क्षेत्र के बीजेपी सांसद छेदी पासवान ने नीतीश कुमार के विपक्षी एकजुटता को लेकर सवाल पूछने पर पहले तो बोलने से ही मना करने लगे फिर उन्होंने कहा नीतीश कुमार लाख प्रयास करें विपछ एक नहीं होगा। विपक्ष जहां अपने प्रधानमंत्री उम्मीदवार को फाइनल नहीं कर सका है। अब तक वहां नीतीश कुमार जी क्या कर सकते हैं। नीतीश जी का कोई वजूद नहीं है।

वह डेवलप करके मुख्यमंत्री हो सकते हैं लेकिन प्रधानमंत्री कभी नहीं बन सकते। नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और प्रधानमंत्री रहेंगे इसमें कोई संदेह नहीं है।

25 अप्रैल को राहुल गांधी सशरीर पटना की अदालत में होंगे पेश, नहीं तो हो सकता है गैर जमानती वारंट जारी

पटना, 12 अप्रैल (का.सं.)। मोदी सरनेम पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में बुधवार को पटना की अदालत में सुनवाई हुई। बिहार बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने मई 2019 में पटना के एमपी एमएलए कोर्ट में मामला दर्ज कराया था। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के इस केस को देख रहे पटना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एसडी संजय ने इस पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने 18 मार्च 2023 के दिन राहुल गांधी को 12 अप्रैल 2023 को न्यायालय के समक्ष सदेह उपस्थित होने का आदेश दिया था। लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद राहुल गांधी 12 अप्रैल 2023 को अदालत के सामने उपस्थित नहीं हुए।

बीजेपी से राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के राहुल गांधी पर दर्ज कराए गए मामले को देख रहे पटना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एचडी संजय ने बताया कि पटना के एमपी एमएलए कोर्ट में राहुल गांधी उपस्थित हुए थे। तब अदालत में उन्हें जमानत दे दी थी। अदालत ने राहुल गांधी को कहा था कि मामले में अगली सुनवाई के दौरान उन्हें सशरीर उपस्थित होना होगा। एसडी संजय ने बताया कि बुधवार 12 अप्रैल को अदालत में राहुल गांधी को इसलिए बुलाया था कि वे सीआरपीसी धारा 313 के तहत अपना बयान दर्ज करा सकें। लेकिन राहुल गांधी ने कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए अदालत के सामने उपस्थित नहीं हुए।

पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एसडी संजय ने बताया कि राहुल गांधी आज पटना की अदालत में पेश नहीं हुए। जबकि 11 अप्रैल को वह केरल के वायनाड में राजनीतिक रोड शो कर रहे थे। दूसरी तरफ पटना की अदालत में राहुल गांधी के वकीलों की ओर से समयावेदन दिया गया है।

एसडी संजय ने बताया कि राहुल गांधी के अधिवक्ताओं की तरफ से दिए गए समयावेदन का उनके द्वारा पुरजोर विरोध किया गया। अदालत में सुशील कुमार मोदी की केस की पैरवी कर रहे अधिवक्ता की तरफ से यह कहा गया कि राहुल गांधी, अदालत के आदेश की अवहेलना कर इस मुकदमे को लंबा खींचना चाहते हैं।

सुशील कुमार मोदी के अधिवक्ता द्वारा अदालत से राहुल गांधी के खिलाफ गैरजमानतीय वारंट जारी करने का अनुरोध किया गया है। अदालत में सुशील मोदी के अधिवक्ता एसडी संजय ने यह दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने देश के एमपी एमएलए के खिलाफ मुकदमे को जल्द से जल्द निपटाने का आदेश अश्वनी उपाध्याय बनाम भारत सरकार की एक लोकहित याचिका में किया है। इसलिए इस मामले को अभियुक्त राहुल गांधी की उपस्थिति के लिए अधिक लंबित रखना न्यायोचित नहीं होगा। एसडी संजय ने पटना के एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश से यह अनुरोध किया है कि राहुल गांधी की जमानत को रद्द कर उन्हें न्यायालय में सदेह उपस्थित कराने को सुनिश्चित करने के लिए उनके विरुद्ध गिरफ्तारी का वारंट जारी करने का आदेश जारी किया जाए।

सुशील कुमार मोदी के अधिवक्ता एसडी संजय ने यह भी बताया कि गुजरात के अलावा पटना में भी राहुल गांधी पर मानहानि का अपराधिक मुकदमा तत्कालीन मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि मुकदमे में परिवादी का बयान पूरा हो चुका है और अभियुक्त के बयान के लिए लंबित है। एसडी संजय ने बताया कि अदालत में 25 अप्रैल को राहुल गांधी को सशरीर कोर्ट में पेश होने का आदेश जारी किया है। अगर राहुल गांधी उस दिन भी अदालत के सामने पेश नहीं होते हैं तो उन पर गैर जमानती वारंट और गिरफ्तारी का आदेश जारी हो सकता है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR INDUS WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:2 DrawDate on:12/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 94B 10489
Cons. Prize ₹1000/- 10489 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
09056 09425 13970 39581 47172 48216 86139 86848 89221 94024
3rd Prize ₹450/-
0084 1160 1304 3056 3598 4598 5001 6126 7331 8476
4th Prize ₹250/-
0109 1303 2496 4943 5686 5981 7711 8342 8631 8797
5th Prize ₹120/-
0003 0103 0263 0286 0371 0435 0497 0618 0624 0930
0962 1029 1199 1333 1340 1374 1419 1623 1777 2053
2083 2124 2201 2225 2280 2537 2711 2815 2906 2953
2983 3067 3072 3105 3144 3156 3285 3325 3344 3402
3539 3540 3624 3907 3908 4101 4155 4243 4368 4377
4382 4386 4445 4542 4739 4889 5178 5385 5402 5453
5531 5888 5942 6106 6194 6259 6377 6484 6532 6648
6819 7178 7335 7507 7587 7722 7772 7805 7841 7873
8031 8068 8126 8186 8212 8260 8283 8858 9025 9144
9160 9431 9489 9511 9569 9655 9690 9826 9899 9907
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR HILL WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:2 DrawDate on:12/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 95C 39777
Cons. Prize ₹1000/- 39777 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
06586 18823 34160 44505 47714 63854 88686 89133 92807 96014
3rd Prize ₹450/-
1512 1986 2085 4233 4397 5953 6130 6612 8985 9175
4th Prize ₹250/-
1533 2097 4367 5147 5594 5643 6175 6895 7328 9291
5th Prize ₹120/-
0015 0149 0195 0277 0322 0449 0752 0819 0921 1018
1091 1306 1413 1592 1728 1846 1880 1952 1958 2034
2075 2138 2438 2642 2686 2962 3150 3205 3211 3218
3274 3348 3371 3481 3741 3794 3827 3989 4179 4199
4271 4359 4578 4611 4699 4796 4878 5002 5212 5283
5410 5464 5479 5570 5590 5602 5632 5636 5875 6203
6209 6335 6370 6393 6397 6399 6597 6655 6756 6911
7023 7036 7087 7296 7327 7353 7411 7991 8059 8096
8186 8219 8276 8407 8427 8445 8461 8623 8650 8729
8849 9047 9061 9107 9120 9140 9351 9400 9740 9996
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PELICAN WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:2 DrawDate on:12/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 88J 74581
Cons. Prize ₹1000/- 74581 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
14125 14936 25514 30585 53846 61262 62635 64909 90539 90930
3rd Prize ₹450/-
0213 1779 2625 4100 4894 5387 6572 8017 8857 9446
4th Prize ₹250/-
1465 2293 2838 4650 5327 5877 7522 7917 8215 8687
5th Prize ₹120/-
0216 0239 0265 0538 0719 0748 0751 0877 0918 0992
1242 1570 1626 1813 1987 2056 2080 2162 2281 2360
2382 2622 2642 3014 3102 3108 3109 3285 3354 3391
3457 3600 3646 3727 4451 4599 4642 4744 4796 4858
4914 4946 4959 5002 5103 5134 5231 5428 5520 5528
5590 5629 5936 5994 6020 6043 6101 6398 6458 6653
6754 6910 6916 6932 7314 7324 7375 7383 7455 7507
7508 7603 7654 7769 7781 7784 7984 7996 8115 8255
8276 8304 8344 8402 8675 8722 8796 8873 8911 8991
9092 9143 9591 9786 9885 9888 9919 9991 9994 9996
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

मनोबल बढ़ा आप का

चुनाव आयोग ने ताजा समीक्षा के बाद राष्ट्रीय पार्टियों की जो सूची जारी की है, उसने सबसे ज्यादा खुश किसी को किया है तो वह है आम आदमी पार्टी। पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ने खबर आने के बाद ट्वीट किया कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। हालांकि पहले ही चुनाव में विरोधियों का सूपड़ा साफ कर देने वाली पार्टियों के कई उदाहरण देश में मौजूद हैं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि हाल के दौर में आम आदमी पार्टी की ग्रोथ स्टोरी ने समर्थकों और विरोधियों से अलग निरपेक्ष समूहों का भी ध्यान खींचा है। निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय पार्टी को जिस तरह की सहूलियतें और सुविधाएं मिलती हैं, वे भी उसे मिलेंगी। देश भर में उसका चुनाव चिह्न उसके प्रत्याशियों के लिए सुरक्षित रहेगा, राष्ट्रीय राजधानी में दफ्तर बनाने के लिए भूखंड भी आवंटित होगा, लेकिन जो सबसे बड़ा फायदा इससे उसे होने वाला है, वह है समर्थकों और कार्यकर्ताओं का बढ़ा हुआ मनोबल। एक अपेक्षाकृत नई पार्टी के रूप में यहां से और आगे बढ़ने के लिहाज से यह फैक्टर पार्टी के लिए खासा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

लेकिन यह भी याद रखने की जरूरत है कि किसी राजनीतिक दल की यात्रा में इस तरह के पल आते-जाते रहते हैं। 2014 के बाद के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुए प्रदर्शन के आधार पर अगर आम आदमी पार्टी ने यह उपलब्धि हासिल की है तो इसी आधार पर टीएमसी, एनसीपी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया यानी सीपीआई से राष्ट्रीय पार्टी का यह दर्जा छिन भी गया है। टीएमसी और एनसीपी भी मुख्यत: एक राज्य में केंद्रित पार्टियां हैं, जो कुछ अन्य राज्यों में जनाधार हासिल करने की जद्दोजहद में लगी रहती हैं। यही नहीं, विपक्षी खेमे में अहम भूमिका हासिल कर राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक रोल में आने की इच्छा भी दोनों दलों में है।

इस लिहाज से ऐसे वक्त आम आदमी पार्टी से पिछड़ते हुए दिखना दोनों दलों के लिए खास तौर पर पीड़ादायक होगा। लेकिन ऐतिहासिक संदर्भों को याद रखते हुए देखें तो इन सबसे ज्यादा बड़ी घटना है कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय दल का दर्जा छिनना।

हालांकि इसी से अलग होकर बनी सीपीएम अब भी एक राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन देश की सबसे पुरानी कम्युनिस्ट पार्टी की यह दुर्गति कोई अचानक हुई घटना नहीं है। लंबे समय से लगातार सिमटते जनाधार और कम होते समर्थन के कारण यह धीरे-धीरे नीचे खिसकते हुए यहां तक पहुंची है और निकट भविष्य में इसका ग्राफ ऊपर उठने के आसार भी नहीं दिख रहे। यह पार्टी के लिए विचारणीय प्रश्न है।

एकला चलो रे की स्थिति में बीजेपी

शेखर गुप्ता

भाजपा के संस्थापक कभी बहुमत नहीं हासिल कर पाए थे। उन्हें बहुरंगी गठबंधनों को एकजुट रखने का करतब करते रहना पड़ा। आज जब मोदी-शाह की बदौलत भाजपा को किसी सहयोगी की जरूरत नहीं रह गई है तो उन्हें अपने पुराने नेताओं का शुक्रगुजार होना चाहिए।

भाजपा के जन्मदिन को उसके नेता लालकृष्ण आडवाणी उसका पुनर्जन्म दिवस कहा करते हैं, खासकर इसलिए कि उसकी स्थापना 1980 में ईस्टर के सप्ताहांत में हुई थी। भाजपा के 44वें जन्मदिन पर इस पार्टी के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, जिसके इर्द-गिर्द भारत की राजनीति आज घूम रही है।

वैसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी की लगातार दूसरी बार बनी सरकार अपने आखिरी वर्ष में प्रवेश कर रही है। अगले साल इसी समय मतदान के दो चक्र पूरे हो चुके होंगे। आज जो स्थिति है उसके अनुसार भाजपा लगभग अपराजेय है।

यह वह पार्टी है, जो जनता पार्टी की राख से उठकर खड़ी हुई थी। उसने काफी विकास किया है। आज यह समझने का अच्छा मौका है कि 43 साल पुरानी यह पार्टी उस पार्टी से कितनी मिलती-जुलती है और उससे कितनी बदल चुकी है, जिसकी स्थापना अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने की थी।

पहली चीज जो नहीं बदली है, वह है इसकी वैचारिक सम्बद्धता। इसके संस्थापक संघ की विचारधारा से लगभग बंधे रहे। हालांकि उन्होंने बाहरी प्रतिभाओं से काफी कुछ ग्रहण किया, जैसा कि मोदी-शाह की टीम ने भी एनडीए-2 के दौरान किया, लेकिन पार्टी के सारे शीर्ष नेता एक ही वैचारिक पाठशाला से आए।

उनमें पार्टी के सभी अध्यक्ष, प्रमुख महासचिव, और लगभग सारे प्रदेश अध्यक्ष शामिल हैं। नेतृत्व भी संघ की विचारधारा से उतना ही प्रतिबद्ध रहा। कई अंतर भी आए, हालांकि आप कह सकते हैं कि यह आंकड़ों की हकीकत को भी प्रदर्शित करता है। इसकी वजह यह रही कि संस्थापकों को कभी बहुमत नहीं हासिल हुआ।

विविध किस्म के गठबंधनों को एकजुट रखने की जरूरत के चलते उन्हें अपनी विचारधारा के कुछ मूल तत्वों को किनारे करना पड़ा था, जिनमें कश्मीर, राम मंदिर या समान नागरिक संहिता जैसे मामले सबसे प्रमुख रहे। उनके उत्तराधिकारियों ने बहुमत हासिल किया और इनमें से पहले दो मामलों पर फटाफट कार्रवाई कर डाली।

तीसरे मामले को बड़ी बारीकी से लागू करने की कोशिश की जा रही है। इसकी शुरुआत तीन तलाक प्रथा पर रोक लगाने से की गई है; और आप निश्चित मान सकते हैं कि शादी के लिए न्यूनतम उम्र निश्चित करने और बहु-विवाह पर रोक लगाने के कदम भी उठाए जाएंगे।

एक विचारधारा से प्रतिबद्ध पार्टी को- जो 1977 की जनता पार्टी के प्रयोग में खो गई थी- उसके संस्थापकों ने फिर से खड़ा कर दिया, यह सराहनीय है। पांच बड़े दलों- भारतीय जनसंघ, इंडियन नेशनल कांग्रेस (ओ), सोशलिस्ट पार्टी, चरण सिंह के नेतृत्व वाले भारतीय लोकदल और बाबू जगजीवन राम की कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी ने खुद को विलीन कर जनता पार्टी का गठन किया था।

इनमें से केवल एक पार्टी ने ही न केवल अपना अस्तित्व बनाए रखा, बल्कि एक नए अवतार में उभरी।

वह पार्टी थी भाजपा। बाकी सब बिखर गए और कुछ तो प्रदेश-केंद्रित, जाति-केंद्रित (जनता दल के रूप में) होकर रह गए, जैसे समाजवादी पार्टी (मुलायम) और राजद (लालू)। सोशलिस्ट लोग अंतत: जॉर्ज फर्नांडीस और अब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सीमित हो गए।

इनमें से भाजपा ने खुद को जैसे खड़ा किया और आज जिस तरह राज कर रही है, उसकी दूसरी कोई मिसाल हमारे इतिहास में नहीं मिलती, इंदिरा गांधी के उत्कर्ष के दौर में भी नहीं। विचारधारा की स्पष्टता ही वह बड़ी वजह थी, जिसके चलते जनसंघ ने बेदाग होकर भाजपा के रूप में पुनर्जन्म लिया। विचारधारा एक ओर अगर इतनी प्रभावी थी तो दूसरी ओर वह दूसरों से हाथ मिलाने में अड़चन भी बनी।

भाजपा के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती रही। और आज मोदी तथा शाह इतने कामयाब हैं तो उन्हें इसके संस्थापकों, खासकर वाजपेयी का शुक्रगुजार होना चाहिए कि उन्होंने भाजपा को विपक्षी खेमे में अछूत वाली हैसियत से मुक्ति दिलाई थी। उनका बड़ा कदम था राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को सत्ता से वंचित करने के लिए वी.पी. सिंह सरकार को समर्थन देना, हालांकि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी।

इस राजनीतिक कदम की पर्याप्त प्रशंसा नहीं की गई है लेकिन विचारधारा के लिहाज से इतने असुविधाजनक, वामपंथी झुकाव वाले गठजोड़ को भाजपा के समर्थन ने उसे उसकी अछूत वाली हैसियत से मुक्ति दिलाने की शुरुआत कर दी थी। यह यथार्थपरक राजनीति भी थी, जो कांग्रेस को कमजोर और सत्ता से दूर करने का सबसे अच्छा तरीका था।

यह कितनी बड़ी चुनौती थी, यह भाजपा विरोधी उन गठबंधनों से स्पष्ट हो गया, जिन्होंने कांग्रेस को बाद में सत्ता हासिल करने में मदद दी। चंद्रशेखर (1990-91) से लेकर एच.डी. देवेगौड़ा (1996-97) और आई.के. गुजराल (1997-98) तक, तमाम गठबंधनों को इस आधार पर उचित ठहराना आसान था कि ये सेकुलर ताकतों को एकजुट रखने और कम्युनल ताकतों को बाहर रखने के लिए बनाए गए थे।

बाद में इनमें से ही कुछ ताकतों के साथ जुड़ना आडवाणी तथा वाजपेयी की कहीं बड़ी उपलब्धि थी। अपने 44वें वर्ष में भाजपा वैचारिक निरंतरता और राजनीतिक शैली में बदलाव के साथ विकास की ओर अग्रसर है। आपको यह पसंद है या नहीं, यह इस पर निर्भर है कि आप किस पृष्ठभूमि से आते हैं।

आज स्थिति यह है कि भाजपा इतनी ताकतवर हो गई है कि उसे सहयोगियों की तो क्या, अकाली दल और शिवसेना की भी जरूरत नहीं रह गई है। उसने एक को खारिज कर दिया, और दूसरी को तोड़ डाला। वह खासकर हिंदी पट्टी में जाति-आधारित छोटे स्थानीय दलों से अवसरवादी तालमेल कर सकती है, लेकिन उसे किसी पर निर्भर रहने की जरूरत अब नहीं रह गई है।

अब हम और नहीं रुक सकते

आरती खोसला

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने पिछले दिनों अपनी आकलन रिपोर्ट पेश की। यह बताती है कि पिछले 200 वर्षों के दौरान सभी प्रकार की ग्लोबल हीटिंग की वजह मानव गतिविधियां ही हैं। रिपोर्ट साफ तौर पर दोहराती है कि हम इसे रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं।

बदकिस्मती से इसका मतलब है कि दुनिया में इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही कि धरती पहले ही 1.1 डिग्री सेल्सियस तक और गर्म हो चुकी है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनकी मौजूदा रफ्तार पर गौर करें तो वर्ष 2100 तक वैश्विक तापमान में औसत वृद्धि औद्योगिक युग से पूर्व के स्तरों के मुकाबले 2.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगी और नेट जीरो संबंधी सभी अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों को एक साथ जोड़ भी लें तो भी वैश्विक तापमान में औसत वृद्धि को 2.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने से रोक नहीं सकते।

हम जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी परिणाम देख रहे हैं। जंगलों में पहले से कहीं ज्यादा जल्दी-जल्दी आग लगना, चक्रवात, समुद्री तूफान और मरुस्थलीकरण के रूप में नतीजे सबके सामने हैं। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 1970 से 2019 के बीच लगभग 20 लाख लोग प्रचंड गर्मी की भेंट चढ़ चुके हैं और आर्थिक नुकसान तकरीबन 6.5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर चुका है। समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु से जुड़ी आपदाओं को देखते हुए बीमा कंपनियां बेइंतेहा गरीबी और सामाजिक उथल-पुथल को लेकर फिक्रमंद हैं।

जलवायु परिवर्तन रोकने के परंपरागत तरीकों की वकालत करने वालों की यह दलील होती है कि प्रदूषणकारी तत्वों के उत्सर्जन में कमी लाने के कदमों का असर रोजगार के अवसरों और उद्योगों पर नहीं पड़ना चाहिए। क्योंकि अगर रोजगार छिन गया तो यह हकीकत बेमानी हो जाएगी। यह भी एक हकीकत है लेकिन हमें पीने योग्य पानी, जमीन और रहने लायक तापमान वाला वातावरण भी चाहिए।

जलवायु संबंधी कार्रवाई को वर्ष 2030 तक के लिए खिसकाया गया तो वैश्विक तापमान में वृद्धि को डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक रोकने का मौका हाथ से फिसल जाएगा। कई प्रशांत द्वीपीय देश पानी में डूब जाएंगे, वहीं वैश्विक दक्षिण का ज्यादातर हिस्सा अपने भूभाग और भूजल आपूर्ति में खतरनाक रूप से आने वाली कमी, फसलें खराब होने, रेगिस्तानों के दायरे बढ़ने, तटीय क्षेत्रों के डूब जाने, रोग जनकों के विस्फोट और बड़े पैमाने पर आंतरिक विस्थापन से जूझेगा।

वहीं दूसरी ओर वैश्विक उत्तर क्षेत्र के देश जंगलों की आग के अभूतपूर्व दौर, अतिक्रमणकारी प्रजातियों द्वारा किए जाने वाले विनाश और ग्लेशियर को होने वाले नुकसान का सामना करेंगे।

आईपीसीसी हालात का अगला जायजा वर्ष 2027/2028 या उसके बाद ले सकता है लेकिन उस वक्त तक हम बिल्कुल अलग दुनिया देख रहे होंगे। अब बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

सबसे अमीर मुल्क 50 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जबकि सबसे गरीब देश उत्सर्जन के मात्र 12 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं। अभी हमारे पास वक्त है, 5 साल बाद चीजें हाथ से निकल जाएंगी।

अरुणाचल भारत का हिस्सा है और रहेगा

शिवदान सिंह

कुछ दिन पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के नाम बदलकर उन्हें दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताया, जिसे भारत सरकार ने कठोर शब्दों में नकार दिया है। चीन ने ऐसा तब किया, जब कुछ दिन में ही उसके रक्षामंत्री भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने आने वाले हैं। मई में चीनी विदेश मंत्री भी भारत का दौरा करने वाले हैं।

पड़ोसी देशों की जमीन पर कब्जा करने की प्रक्रिया चीन ने 1949 में तब प्रारंभ की, जब वहां कम्युनिस्ट पार्टी का शासन लागू हुआ तथा माओ प्रमुख बने। जब चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा किया, तब वहां की मोइनबा जाति के लोगों ने पलायन कर भारत के अरुणाचल में शरण ली। ये लोग बौद्ध हैं और दलाई लामा को अपना शासक मानते हैं। ऐसे में, जिस भी क्षेत्र में मोइनबा जाति के लोगों ने शरण ली, उसी को चीन ने दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताना शुरू कर दिया।

वर्ष 1950 में चीन द्वारा तिब्बत पर कब्जे के लिए उसकी आलोचना पूरे विश्व के गैर कम्युनिस्ट देशों ने की, पर तब भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उस पर चुप्पी साधकर एक तरह से तिब्बत पर चीनी कब्जे को स्वीकृति प्रदान की। वर्ष 1959 में जब दलाई लामा को लगा कि चीन उन्हें गिरफ्तार कर सकता है, तब उन्होंने भारत में शरण ली। भारत तो चीन के साथ अपने संबंध मजबूत करना चाहता था, पर भारत के प्रति द्वेष की भावना रखने वाला चीन सोचता था कि तिब्बत के विद्रोहियों को अमेरिका भारत के रास्ते ही मदद दे रहा है।

दलाई लामा ने भारत में प्रवेश करने के दो दिन बाद ही तिब्बत पर चीन के कब्जे के विरोध में संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पेश कर दिया, जहां इस प्रस्ताव पर काफी बहस के बाद उसे बहुमत से पारित कर दिया गया। पर उस कार्यवाही में भारत ने उदासीन रुख ही अपनाया। नेहरू ने लोकसभा में बयान भी दिया कि इस मुद्दे पर भारत दलाई लामा के साथ नहीं है। नेहरू मान बैठे थे कि चीन कभी भारत पर हमला नहीं करेगा। पर शुरू से ही चीन इस सीमा पर आक्रामक कार्रवाई करता रहा।

अक्तूबर, 1962 में चीन ने भारत पर अचानक हमला कर दिया। संसाधनों की कमी, पुराने हथियार और तोपखाने व वायुसेना की मदद उपलब्ध न होने के कारण भारत को बुरी हार का सामना करना पड़ा और चीन ने 38,000 वर्ग किलोमीटर में फैले अक्साई चिन क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। वर्ष 1967 में चीन ने सिक्किम पर कब्जा करने के लिए नाथूला पर हमला किया, पर हमारी सेना ने करारा जवाब देते हुए चीनी सैनिकों को पीछे धकेल दिया। फिर वर्ष 1986 में चीन ने सुमदोरोंग चू घाटी में हेलीपैड बनाने की कोशिश की, पर भारतीय सेना ने जनरल सुंदरजी की कमांड में उसे नाकाम कर चीन को संदेश दिया कि वह भविष्य में इस तरह की हरकत न करे।

1962 की हार के बाद पूरे देश में हार के कारणों का पता लगाने की मांग उठी थी। तब रक्षा मंत्रालय ने सेना के दो वरिष्ठ अधिकारियों- जनरल हैंडरसन और ब्रिगेडियर भगत के नेतृत्व में जांच आयोग का गठन किया था। पर आयोग द्वारा तैयार रिपोर्ट में संवेदनशील तथ्यों के कारण तत्कालीन सरकार ने उसे सार्वजनिक करने से मना कर दिया था, जबकि भाजपा ने रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की थी। पर विडंबना देखिए कि सत्ता में आने पर खुद भाजपा ने उस रिपोर्ट को गोपनीयता के नाम पर सार्वजनिक करने से मना कर दिया!

उसके बाद भारत-चीन के बीच तनाव कम करने के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों की वार्ता शुरू हुई। वर्ष 1996 में आपसी विश्वास बहाली के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें प्रावधान था कि सीमा पर अग्रिम इलाकों में दोनों देशों की सेनाएं बगैर हथियारों के गश्त करेंगी। इसी समझौते के तहत गलवान में भारतीय सैनिक बगैर हथियारों के गए, पर चीनी सैनिक कंटीले तार लगे डंडों के साथ आए। फिर भी भारतीय सैनिकों ने उनका डटकर मुकाबला किया और उन्हें खदेड़ा। इस तरह चीन को सख्त संदेश गया है कि यह 1962 का भारत नहीं है। इसके बावजूद चीन अरुणाचल में जगहों के नाम बदलने की हरकत कर रहा है, जिससे कुछ बदलने वाला नहीं है। अरुणाचल भारत का हिस्सा है और रहेगा।

जेल में भी जिंदगी से जद्दोजहद

सुशील देव

एक तो जेल। उसके अंदर भी परेशानी। देश में ज्यादातर जेलों की हालत खराब है। कुछ तो बेहतर हालत में हैं, मगर अधिकांश जेलों में क्षमता से अधिक कैदी भरे हुए हैं।

इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि भीड़-भाड़ वाले जेलों में कैदियों की हालत क्या होती होगी? किस तरह से उन्हें शौच-पेशाब, नहाना-खाना या सोने-बैठने में दिक्कत आती होगी। मीडिया के जरिए समय-समय पर जेलों की ऐसी व्यथा-कथा बाहर आती रहती है। मगर इसे लेकर न तो जेल प्रशासन और न ही सरकार के स्तर पर किसी प्रकार की गंभीरता देखी जाती है। सनद रहे कि सर्वोच्च अदालत तक चिंता जता चुकी है कि जेलों में क्षमता से अधिक कैदी रखना मानवाधिकार का उल्लंघन है।

विशेषज्ञों के मुताबिक खास तौर पर विचाराधीन कैदियों का लंबे समय तक जेलों में बने रहना चिंता का विषय है। 1970 में राष्ट्रीय जेल जनगणना से पता चला था कि जेल के 52 फीसद कैदी मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे थे। तब से धीरे-धीरे यह सिलसिला आगे ही बढ़ रहा है। यानी जेल में भीड़-भाड़ को कम करना है तो विचाराधीन कैदियों की संख्या को काफी कम करना होगा। भले ही यह अदालतों के बिना संभव नहीं, परंतु इस दिशा में न्याय प्रणाली के तीनों अंगों को सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य करना चाहिए।

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लोक सभा में जानकारी दी है कि देश भर की जेलों में बंद 1400 से अधिक कैदी अपनी सजा काटने के बाद जुर्माने की राशि का भुगतान नहीं कर पाने की वजह से अभी भी जेलों में बंद हैं। इनकी रिहाई समय से हो जाती तो शायद जेलों का भार कम होता।

गौरतलब है कि जेलों में कैदियों को क्षमता से ज्यादा रखने के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां कैदियों की संख्या लगभग दोगुना है। दूसरे नंबर पर बिहार और तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की जेलें हैं। इन जेलों में कैदियों का बहुत बुरा हाल है। इसके अलावा क्षमता से अधिक कैदी रखने वाले राज्यों में असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

मतलब साफ है कि कैदियों को जेलों में रखने में असंतुलन बड़े राज्यों में ज्यादा है। अगर हम दिल्ली के तिहाड़ की एक जेल, नंबर-4 की बात करें तो वहां 740 की जगह 3700 से अधिक कैदी बंद हैं। यहां नहाने-धोने या टॉयलेट जाने के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ती है। कई बार आपसी लड़ाई-झगड़े के कारण जेल प्रशासन को बहुत मशक्कत करनी पड़ती है। उन पर नजर रखने में संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर कोरोना जैसी महामारी भी कई जेलों के लिए चिंता का सबब बन गई थी।

एशिया की सबसे बड़ी जेल तिहाड़ में 80 प्रतिशत ऐसे कैदी हैं, जिन्हें अदालत से जमानत मिलने के बाद भी सलाखों के पीछे रहना पड़ रहा है। उनके पास जुर्माना के राशि चुकाने तक के पैसे नहीं। इस प्रकार दिल्ली में कुल 16 जेल हैं, जो करीब-करीब क्षमता से अधिक कैदियों से भरे हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्डस ब्यूरो यानी एनसीआरबी के मुताबिक देश में कुल 1412 जेलों में अपने निर्धारित क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं। इसमें साल-दर-साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है, जबकि जेलों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है। सर्वोच्च अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रामना के मुताबिक आज आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रक्रिया ही सजा बन गई है। इस वजह से भी जेलों में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसलिए अंधाधुंध गिरफ्तारी से लेकर जमानत हासिल करने में आ रही मुश्किलों के कारण विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक कैद में रखने की प्रक्रिया पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

अंडर ट्रायल के तौर पर कैदियों का सालों से बंद रहना उचित नहीं है। फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना व खुली जेल बनाना इसके उपाय हो सकते हैं। इसके अलावा कई न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाने की जरूरत है। दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में भारतीय जेलों में कैदियों की अपेक्षाकृत कम संख्या होने के बावजूद कई समस्याएं हैं। भीड़-भाड़, अंडर-ट्रायल, कैदियों की लंबे समय तक हिरासत, असंतोषजनक रहने की स्थिति, उपचार कार्यक्रमों की कमी और जेल कर्मचारियों के उदासीनता के कारण असंतुलन की स्थिति है। यहां तक कि अमानवीय नजरिए ने आलोचकों का ध्यान खींचा है। भारत में जेलों की स्थिति के बारे में देश के बाहर भी अच्छी छवि नहीं है।

कुल मिलाकर देश के जेलों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। ऐसे में सरकार को जेलों के प्रति अधिक से अधिक संवेदनशील होना चाहिए। क्योंकि जो व्यक्ति अपराधी के रूप में कैद हैं, वह एक जीवित इंसान भी हैं, जिन्हें पूर्ण रूप से और सम्मान से जीने का अधिकार है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू इस मुद्दे पर अपना मत जता चुकी हैं कि जेलों में बहुत से लोगों को ना तो अपने मौलिक अधिकारों या कर्तव्यों के बारे में पता है, और ना ही संविधान की प्रस्तावना के बारे में जानकारी। बाहर आने पर समाज द्वारा बुरे बर्ताव की चिंता उन्हें अलग सताती है। इसलिए जेलों की बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ पुनर्वास संबंधी उपयोगी कदम उठाना श्रेयस्कर होगा।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट सं ग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

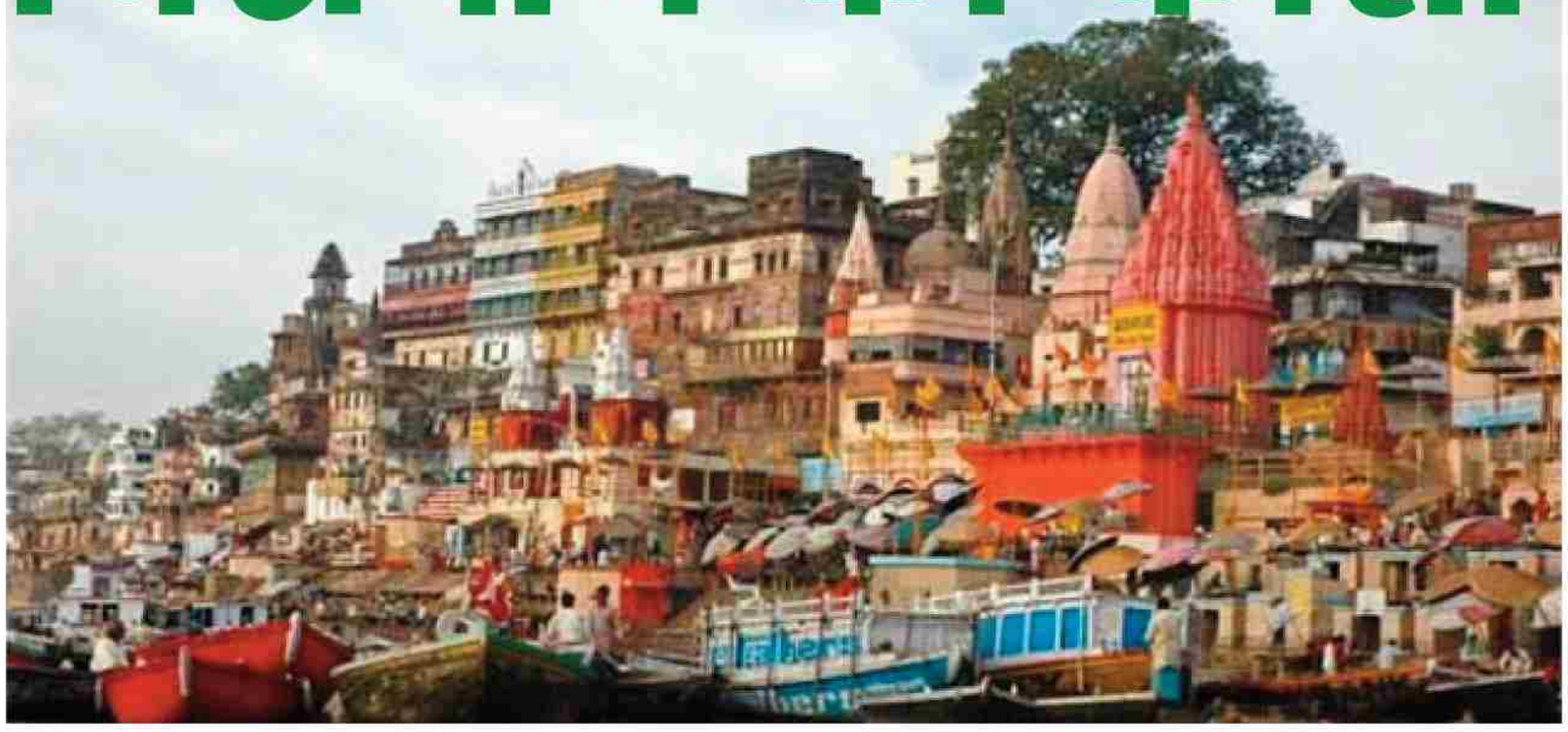

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने फांसिसी राष्ट्रपति मैक्रों को चीन का चाटुकार बताया

वाशिंगटन । अपने बेबाक बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांसिसी राष्ट्रपति को लेकर विवादित बयान दिया है। इमैनुएल मैक्रों की चीन यात्रा से गुस्साएं ट्रंप ने उन्हें चाटुकार तक करार दे दिया है। एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने कहा कि फांसिसी राष्ट्रपति मैक्रों चीन में शी जिनपिंग की चाटुकारिता में लगे थे। बता दें कि साक्षात्कार के जरिए न्यूयॉर्क में दोषी ठहराए जाने के बाद ट्रंप की मीडिया में पहली उपस्थिति थी। ट्रंप ने कहा कि मैक्रों मेरे मित्र हैं, चीन के साथ हैं, उसकी चाटुकारिता कर रहे हैं। ठीक है, उन्होंने कहा, फ्रांस चीन के पास जा रहा है। ट्रंप की ये टिप्पणी पिछले हफ्ते चीन की अपनी राजकीय यात्रा के बाद ताइवान पर अपनी टिप्पणी से मैक्रों द्वारा विवाद छेड़ने के बाद आई है। मैक्रों ने 5-7 अप्रैल तक चीन का दौरा किया। मैक्रों का बीजिंग में शानदार स्वागत किया गया। हालाँकि, मैक्रों ने चीन के प्रति अपने सम्मान के साथ खुद को संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के अन्य लोगों के साथ आसक्त नहीं किया है। मैक्रों ने कहा कि अब समय आ गया है जब यूरोप को अमेरिका पर निर्भर होने की आदत छोड़न होगी। वहीं कूटनीति के नए तरीकों के तहत भारत दुनिया की बड़ी ताकतों के साथ अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत कर रहा है। फांसीसी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ से अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने और वाशिंगटन और बीजिंग के साथ विश्व मामलों में तीसरा ध्रुव बनने का भी आह्वान किया। मैक्रों की टिप्पणी तब आई जब राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास किया, जहां उन्होंने प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैकार्थी से मुलाकात की। चीन ने त्साई इंग-वेन को मैक्कार्थी से मिलने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

ब्रिटेन में 'टिकटॉक' पर आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के लिए भारतीय को सजा

लंदन। ब्रिटेन की एक अदालत ने 68 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को सोशल मीडिया ऐप 'टिकटॉक' पर एक खास समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने का दोषी ठहराते हुए 18 महीने की सजा सुनाई है। अदालत ने पिछले सप्ताह जारी अपने आदेश में बर्कशायर निवासी अमरीक बाजवा पर 240 पाउंड का जुर्माना भी लगाया। पुलिस ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, ''थेम्स वैली पुलिस की जांच के बाद, एक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिये आपत्तिजनक संदेश साझा करने के लिए सजा सुनाई गई है।'' बाजवा ने पिछले साल 19 जुलाई को टिकटॉक पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें दलित समुदाय को निशाना बनाया गया था। जांच अधिकारी एंड्रयू ग्रांट ने कहा, ''मैं दी गई सजा से खुश हूं, जो साफ संदेश देती है कि थेम्स वैली पुलिस अमरीक बाजवा जैसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेगी।

आर्मीनिया व अजरबैजान की भिड़ी सेना, 7 सैनिकों की मौत

बाकू । अजरबैजान और आर्मीनिया की सेना में मंगलवार को भीषण संघर्ष हुआ है, जिसमें 7 सैनिक मारे गए हैं। दोनों देशों के बीच पिछले कई दशक से क्षेत्रीय विवाद चल रहा है। साल 2020 में दोनों देशों के बीच नगर्नो-कराबाख को लेकर भीषण युद्ध हुआ था। इसके बाद रूस ने मध्यस्थता की और सीजफायर कराया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीने में कई बार संघर्ष हो चुका है। रूस के यूक्रेन में फंसने के बाद अजरबैजान ने आर्मीनिया के कब्जे वाले कई इलाके पर कब्जा कर लिया है। आर्मीनिया और अजरबैजान दोनों ही सोवियत संघ के हिस्सा रह चुके हैं और अब तक दो युद्ध लड़ चुके हैं। नगर्नो कराबाख इलाका अजरबैजान का माना गया है, लेकिन इस इलाके में आर्मीनिया के लोग बहुतायत में रहते हैं। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करके दावा किया है कि आर्मीनिया की सेना ने सीमा पर अजरी सैनिकों पर भारी गोलाबारी की। उसने कहा कि इसके जवाब में अजरबैजान के सैनिकों ने भी गोलीबारी की। अजरबैजान ने कहा कि उसके 3 सैनिक मारे गए हैं। वहीं आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा है कि 4 लोगों की मौत और 6 लोग घायल हो गए हैं। आर्मीनिया ने अजरबैजान पर आरोप लगाया है कि वह तनाव को भड़का रहा है। आर्मीनिया ने कहा कि अजरी सैनिकों से सबसे पहले गोलीबारी की। उसने कहा कि आर्मीनिया के सैनिक उस समय सीमा के पास इंजीनियरिंग का काम कर रहे थे। इससे पहले साल 2020 में रूस ने दोनों ही देशों के बीच शांति समझौता कराया था। रूस ने दोनों देशों के बीच शांतिरक्षक सैनिकों को भी तैनात किया है। आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की मध्यस्थता के बाद कई दौर की शांति वार्ता की है। आर्मिनियाई प्रधानमंत्री ने शांति प्रक्रिया में प्रगति की बात कही थी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि मूलभूत समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है कि अजरबैजान क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, जो आर्मीनिया के लिए लक्ष्मण रेखा है।

इंडियाना के बंद कारखाने में लगी भीषण आग

रिचमॉन्ड । अमेरिका में ओहियो सीमा के पास इंडियाना शहर में एक औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग लगने के बाद लोगों से वहां से निकलने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आग इंडियानापोलिस से 112.6 किलोमीटर पूर्व में वेन काउंटी के रिचमॉन्ड में लगी। इंडियाना स्टेट पुलिस के अनुसार, आग पूर्व हॉफको कारखाने में लगी, जो 2009 में बंद हो गया था। मेयर डेव स्नो ने इसे ''गंभीर और भीषण आग'' बताया। वहीं स्नो ने फेसबुक पर लिखा, ''प्रमुख दल मौके पर मौजूद हैं। जहां तक संभव हो इलाके में जाने से बचें, क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के ?लिए अभियान को अंजाम देने दें।'' पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से 0.80 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को वहां से निकलने को कहा गया है। इस दायरे से बाहर रहने वाले लोगों से खिड़कियां बंद रखने और पालतू जानवरों को बाहर न निकलने देने की सलाह दी गई है।

भारत कर रहा टीटीपी आतंकियों की मदद : ख्वाजा आसिफ

-पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का आतंकवाद पर बचकाना बयान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) अब अफगानिस्तान की जमीन का प्रयोग आतंकी हमलों के लिए कर रहा है। यह संगठन इस देश की मदद से पाकिस्तान पर खासकर खैबर पख्तून्ख्वां पर हावी होता जा रहा है। यह बात आसिफ ने मीडिया से कही है। रक्षा मंत्री ने भारत पर भी आतंकियों की मदद करने का आरोप दोहराया है।

पिछले साल टीटीपी और पाकिस्तान की सरकार के बीच एक शांति वार्ता के बाद से ही देश में आतंकी हमलों में इजाफा हुआ है। 29 नवंबर 2022 को टीटीपी ने युद्धविराम खत्म करने का फैसला किया था। इसके बाद से ही आतंकी संगठन आक्रामक हो गया है। युद्धविराम खत्म होने के बाद से 100 से ज्यादा आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें सुरक्षाबलों और पुलिस के जवानों को निशाना बनाया गया है। पाकिस्तान का मानना है कि इनमें से कई हमलों की योजना अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के आकाओं की तरफ से दिए गए थे। साथ ही आतंकी हमलों के निर्देश भी अफगानिस्तान से ही दिए जाते हैं। आसिफ ने मीडिया से बातचीत में अपना काबुल दौरा याद किया। उन्होंने बताया कि इस दौरे पर उन्होंने अफगानिस्तान की सरकार को टीटीपी की तरफ से बढ़ते आतंकी हमलों के बारे में बताया था। आसिफ ने कहा कि मीटिंग में अफगान तालिबान ने वादा किया था कि वह टीटीपी की तरफ से बढ़ते आतंकवाद की समस्या से निपटेगा। साथ ही कहा था कि वे दोहा समझौते के मुताबिक आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे। आसिफ के अनुसार अफगान तालिबान और टीटीपी के बीच एक भाईचारा है। उन्होंने कहा कि दोनों ही पिछले 20 सालों से नाटो के खिलाफ एक साथ लड़ रहे हैं और ऐसे में यह भाईचारा मजबूत हो गया है। आसिफ का कहना था कि टीटीपी आतंकियों में सात से आठ हजार के बीच अफगान तालिबान हैं। आसिफ ने दावा किया है कि टीटीपी के पास एडवांस्ड उन्नत हथियार हैं जैसे कि नाइट विजन गॉगल्स। रक्षा मंत्री ने कहा कि दूसरे देश भी टीटीपी आतंकियों को एडवांस्ड उपकरण मुहैया करा रहे हैं। उनकी मानें तो भारत जैसे कुछ देश जिनके पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं, वो अब टीटीपी की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इससे जुड़े सबूत भी दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वां में सेना के बढ़ते विरोध प्रदर्शन पर आसिफ ने यह माना कि पाकिस्तान में राजनीतिक स्थिति के कारण कई क्षेत्रों में आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को अक्सर मीडिया अनदेखा कर देती है।

रुस में एक ज्वालामुखी की राख से ढ़का हुआ एक घर और कार।

मस्क ने कहा....भारत में सोशल मीडिया से जुड़े कानूनों का पालन करेंगे

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि वास्तव में क्या हुआ जब ट्विटर ने 2023 की शुरुआत में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचनात्मक डॉक्यूमेंट्री से संबंधित सामग्री को हटा दिया था। मस्क ने कहा कि सोशल मीडिया सामग्री से जुड़े कुछ नियम भारत में काफी सख्त हैं। जनवरी में भारत ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान तब के सीएम मोदी के नेतृत्व पर सवाल उठाने वाली बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया, जिसमें कहा गया था कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी विलप को साझा करने पर भी रोक लगा दी गई थी। केंद्र सरकार की सलाहकार कंचन गुप्ता ने कहा था कि केंद्र ने ट्विटर को डॉक्यूमेंट्री के वीडियो से जुड़े 50 से अधिक ट्वीट ब्लॉक करने के आदेश जारी किए थे। श्रीमति गुप्ता ने कहा था कि हालांकि बीबीसी ने भारत में वृत्तचित्र का प्रसारण नहीं किया था, लेकिन वीडियो को कुछ यूट्यूब चैनलों पर अपलोड किया गया था। मस्क ने एक साक्षात्कार में कहा कि मैं इस विशेष स्थिति से अवगत नहीं हूं ... नहीं जानता कि वास्तव में भारत में कुछ सामग्री की स्थिति के साथ क्या हुआ है। 2002 में दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के शासनकाल पर डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। मस्क ने कहा कि अगर हमारे पास यह विकल्प है कि या तब हमारे लोग जेल जाएं या हम कानूनों का पालन करें, तब हम कानूनों का पालन करने वाले हैं।

दुश्मनी भुला नई शुरुआत करते दुनिया के दो शिया-सुन्नी देश, ईरान का डेलीगेशन पहुंचा सऊदी अरब

तेहरान (एजेंसी)। करीब सात साल बाद दुनिया के दो सबसे बड़े शिया और सुन्नी देश अपनी दुश्मनी को भुलाकर औपचारिक रिश्तों की नई शुरुआत करने जा रहे हैं। ईरानी मीडिया ने बताया कि पिछले महीने चीन द्वारा मध्यस्थता के तहत रियाद द्वारा इसी तरह के कदम के बाद अपने राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को सऊदी अरब पहुंचा। ईरान की आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को ईरानी दूतावास का दौरा करने और दोनों देशों के बीच हालिया समझौते के अनुसार वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलने के लिए रियाद पहुंचा।

सऊदी प्रतिनिधिमंडल के तेहरान में इसी तरह की राजनयिक यात्रा पर आने के एक हफ्ते बाद यात्रा आती है। चीन में दो खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के बीच एक ऐतिहासिक बैठक में इसकी अहम भूमिका रही है। दो लंबे समय से मध्य पूर्व के प्रतिद्वंद्वियों ने अब एक साथ काम करने का संकल्प लिया है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को सऊदी किंग सलमान द्वारा रियाद में

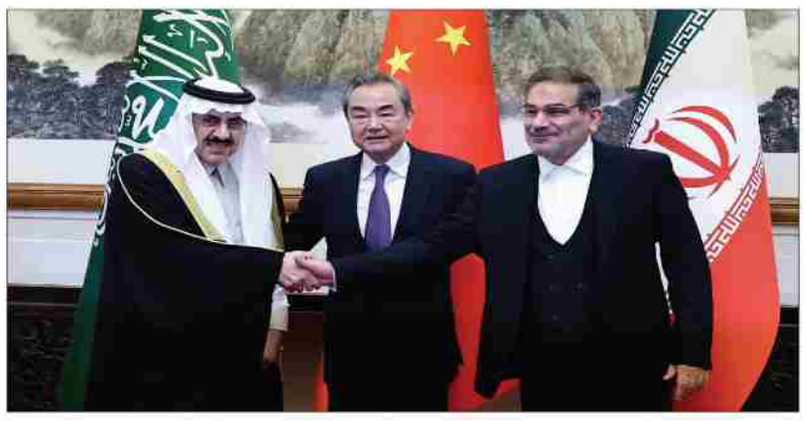

आमंत्रित किया गया है, जो रमज़ान के बाद होने वाली यात्रा की योजना है।

रियाद में एक प्रमुख मौलवी को फांसी दिए जाने के बाद इस्लामिक गणतंत्र में प्रदर्शनकारियों द्वारा सऊदी राजनयिक मिशनों पर हमला किए जाने के बाद दोनों देशों ने संबंध तोड़ लिए। बीजिंग में समझौते पर पहुंचने से पहले मध्य पूर्व के दो महाशक्तियों ने इराक और ओमान में कई दौर की बातचीत की थी, ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी और उनके सऊदी समकक्ष मुसाद बिन मोहम्मद अल-ऐबन के बीच पांच दिनों तक बातचीत हुई थी।

पेंटागन के कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स सोशल मीडिया पर लीक

-बाइडेन सरकार की हुई किरकिरी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स सोशल मीडिया पर लीक हुए हैं। इस लेकर बाइडेन सरकार में खलबली मची हुई है। तीन अमेरिकी अधिकारियों की ओर से कहा गया है, कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां इसकी समीक्षा कर रही है, कि आखिर सरकार के सबसे संवेदनशील रहस्य बाहर आ गए। दरअसल 2013 में विकीलीक्स पर हजारों दस्तावेजों के लीक होने के बाद ये लीक अमेरिकी सरकार की सूचनाओं का सबसे नुकसानदायक लीक साबित हो सकता है। पूरे मामले पर अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि देश हाल ही में संवेदनशील सूचनाओं के कथित लीक होने की जांच तब तक करता रहेगा जब तक स्रोत की पहचान नहीं हो जाती।

अमेरिका के कुछ कथित रूप से लीक खुफिया दस्तावेजों में सामने आया है कि रूस के खुफिया अधिकारियों ने तेल समृद्ध संयुक्त अरब अमीरात को अमेरिका एवं ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियों के खिलाफ काम करने के लिए राजी कर लिया था। अरब देश ने आरोप को झूठा बताकर खारिज किया कि यूएई ने रूस की खुफिया एजेंसी के साथ अपने रिश्ते गहरे किए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका ने न केवल जेलेंस्की बल्कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल और उनके दो सबसे बड़े अधिकारियों की भी जासूसी की है। अमेरिका ने दोनों अफसरों के बीच हुई एक बहस को सुना है। जिसमें उनके बीच यूक्रेन को हथियार देने पर बहस हो रही थी। इनमें से एक अधिकारी का कहना था कि वहां यूक्रेन की बजाए पोलैंड को हथियार देकर ये साबित कर सकते हैं कि वहां अमेरिका के दबाव में नहीं आए हैं।

भारतीय तेजस फाइटर जेट का मुरीद हुआ बोत्सवाना

-एचएएल के साथ बातचीत शुरू की

गैब्रोन (एजेंसी) चीन में बने फाइटर जेट से चौतरफा घिरा अफ्रीकी देश बोत्सवाना अब भारतीय तेजस फाइटर जेट का मुरीद हो गया है। बोत्सवाना की सेना ने भारत की सरकार कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ बातचीत शुरू की है। एचएएल ही तेजस फाइटर जेट को बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक बोत?सवाना की सेना कई तेजस फाइटर जेट खरीदना चाहती है। बोत्सवाना अगर भारत के साथ तेजस फाइटर जेट की डील करता है, तब यह पीएम मोदी के हथियारों के निर्यात करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। रिपोर्ट के मुताबिक बोत्सवाना की सेना ने कई बार भारत के तेजस फाइटर जेट में अपनी रुचि दिखाई है। साल 2013 से ही बोत्सवाना की सेना अपने पुराने पड़ चुके फाइटर जेट को बदलना चाहती है। अभी बोत्सवाना कनाडा के सीएफ-5ए फाइटर जेट का इस्तेमाल करती है, इस साल 1996 में कनाडा से खरीदा था। बोत्सवाना को अपने पड़ोसी देशों से खतरा बढ़ता जा रहा है, इसकारण वह अपने विमानों को बदलना चाहती है। बोत्सवाना का पड़ोसी देश जांबिया मिग-21 के अत्याधुनिक संस्करण का इस्तेमाल कर रही है। वहीं नामिबिया ने चीन से 12 चेंगदू एफ-7एनएम विमान खरीदे हैं, जो रूस के मिग-21 की नकल है। चीन ने इसमें काफी सुधार किया है। यही जिंब्बावे ने भी साल 2004 में चीन को एफसी-1 फाइटर जेट के लिए ऑर्डर दिया था। बोत्सवाना ने बार-बार आरोप लगाया है कि पड़ोसी देशों की वायुसेना उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करती है। इससे पहले साल 1990 में दक्षिण अफ्रीका के लड़ाकू हेलिकॉप्टरों ने बोत्सवाना के मिलिट्री बेस पर हमला किया था। बोत्सवाना की दुश्मनी मुख्य रूप से द.अफ्रीका और जिंब्बावे से है। बोत्सवाना ने दक्षिण अफ्रीका से लगती सीमा के पास ही अपने फाइटर जेट को तैनात कर रखा है जो केवल दिन में ही बढ़िया लड़ सकते हैं। बोत्सवाना की वायुसेना की शुरुआत 1977 में हुई थी। उस समय देश में घरेलू हालात खराब हो गए थे और अस्थिरता बढ़ गई थी। बीडीएफ ने पहले अपने पुराने विमानों को अपग्रेड करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उसने तेजस पर बातचीत शुरू कर दी है। बोत्सवाना ने इसके पहले दक्षिण कोरिया के एफए-50 विमानों को खरीदने की इच्छा जताई थी लेकिन बाद में उसने अपने प्लान को बदल दिया। इसके अलावा बोत्सवाना की सेना ने अमेरिका के इस्तेमाल किए गए एफ-16 विमानों को खरीदने का इरादा जताया था लेकिन अमेरिकी कंपनी ने इसकी मंजूरी नहीं दी थी।

अमेरिकी सेना को चीन का खुला चैलेंज, ताइवान की मदद के लिए पहुंचने से पहले ही हमारी मिसाइलें सबकुछ बर्बाद कर देगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। ताइवान मुद्दे पर चीन ने अमेरिका को धमकी दी है। पिछले कुछ दिनों में ताइवान को लेकर चीन काफी आक्रामक रहा हैं। बता दें ताइवान पर अमेरिका समेत पश्चिमी देश ये कहते रहे हैं कि इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाने की जरूरत है। दरअसल, ताइवान के करीब अमेरिका की मौजूदगी ज्यादातर उसके युद्धपोत और एयर क्राफ्ट कॉरियर के कारण है। चीन ने धमकी देते हुए कहा है कि ताइवान की मदद के लिए पहुंचने से पहले ही उसकी कॉरियर किलर

मिसाइलें अमेरिकी सेना को बर्बाद कर देंगी। इस बीच, चीन की इस धमकी ने दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बाधा दिया है। दरअसल, चीन की सेना ने ताइवान की सीमा के करीब युद्धाभ्यास किया था। चीन के युद्धपोत और फाइटर जेट ताइवान के चारों ओर घूम रहे हैं। चीन का ये युद्धाभ्यास ताइवान के राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका यात्रा के बाद हुआ था। ताइवान की राष्ट्रपति ने अमेरिकी हाउस के स्पीकर केविन मैकार्थी से मुलाकात की थी। चीन की सेना के अभ्यास के दौरान चीनी मीडिया ने ताइवान को तबाह करने की धमकी दी है। ग्लोबल टाइम्स के एक संपादकीय में लिखा गया कि पीएलए ताइवान के मामले में किसी भी विदेशी हस्तक्षेप के लिए 100 फीसदी तैयार है।

उइगर मुस्लिमों के रोजे पर चीन का बैन, पुलिस कर रही जासूसों का इस्तेमाल

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया भर के मुसलमान रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ ही रोजा रखने लगे हैं। चीन के मुसलमानों को रोजा रखने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। चीनी पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए जासूसों का उपयोग कर रही है कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान उइगर मुसलमान उपवास नहीं कर रहे हैं। जिसमें उनके अपने जातीय समूह के सदस्य भी शामिल हैं। पूर्वी झिंजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र में तुर्पन या चीनी में तुलुफान के पास एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जासूस चीनी अधिकारी ÷कान÷ कहते हैं और आम नागरिक, पुलिस अधिकारी और समितियों के सदस्यों से चुने गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार तुरपन में पुलिस स्टेशनों ने प्रत्येक गांव से दो या तीन जासूसों को रहवासियों की जासूसी के लिए चुना है, जिन्हें पहले रमजान के दौरान रोजा रखने के लिए हिरासत में लिया गया था। जासूस जेल से रिहा हुए लोगों पर भी नजर रख रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने आरएफए को बताया कि ये कान तीन क्षेत्रों से है, आम नागरिक, पुलिस और समितियां। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेरे वर्कप्लेस पर 70 से 80 उइगर पुलिसकर्मी हैं जो या तो सीधे कान के रूप में काम करते हैं या अन्य जासूसों का नेतृत्व करते हैं।

चीन ने 2017 में रमजान के दौरान शिनजियांग में मुसलमानों के उपवास पर प्रतिबंध लगाना शुरू

कर दिया, जब उइगर संस्कृति, भाषा और धर्म को कम करने के बड़े प्रयासों के बीच अधिकारियों ने मनमाने ढंग से उइगरों को 'पुनः शिक्षा' शिविरों में बंद करना शुरू कर दिया। 2021 और 2022 में प्रतिबंध में आंशिक रूप से ढील दी गई थी, जिससे 65 से अधिक लोगों को उपवास करने की अनुमति मिली, और पुलिस ने घरों की तलाशी और सड़क पर गश्त गतिविधियों की संख्या कम कर दी।

आईएमएफ ने लगाया पाक की जीडीपी 2 से घटाकर 0.5 फीसदी होने का अनुमान

-पाकिस्तान के लिए है बुरी खबर, बढ़ने वाली है बड़ी मुसीबत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। । पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की तरफ से भी राहत पैकेज पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस स्थिति के बीच ही आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर को लेकर जो आंकड़ा जारी किया है, वह निराशा को बढ़ाने वाला है। आईएमएफ ने जीडीपी के अनुमान को 2 से घटाकर 0.5 फीसदी कर दिया है। मंगलवार को जारी हुई नई रिपोर्ट में आईएमएफ की तरफ से यह अनुमान लगाया गया है।

संगठन ने पहले अनुमान लगाया था कि वित्त वर्ष 2024 में देश की जीडीपी वृद्धि दर 3.5 फीसदी रहेगी, जबकि जनवरी में जारी अपनी अंतिम रिपोर्ट में आईएमएफ ने जीडीपी अनुमान को घटाकर 2 फीसदी कर दिया था जो कि पहले 3.5 फीसदी थी। आईएमएफ की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तरफ से मापी गई महंगाई जो वित्त वर्ष 2023 में करीब 27.1 फीसदी तक दर्ज की गई थी, वित्त वर्ष 2024 में 21.9 फीसदी तक पहुंच जाएगी। इस बीच चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2023 और 2024 में 2.3 फीसदी से 2.4 फीसदी पर रहने का अनुमान लगाया गया है।

विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भी पाकिस्तान की विकास दर के अनुमानों को 0.4 फीसदी से 0.6 फीसदी तक बताया था। इन बैंकों के अनुमानों के कुछ ही दिन बाद आईएमएफ की रिपोर्ट आई है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुधार के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि देश में महंगाई एक दशक बाद उच्च स्तर पर है। कई कंपनियों ने भी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए ऑपरेशन बंद कर दिए हैं या फिर प्रोडक्शन कम कर दिया है। आईएमएफ की तरफ से बेलआउट जारी होने में देरी की स्थिति को और मुश्किल बना रही है।

पाक में बिक रहे केले 400 रुपए दर्जन तो सेब 450 रुपए किलो

पाकिस्तान की स्थिति दिन-प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। देश में महंगाई रोज नए रिकॉर्ड बना रही है। रमजान के इस महीने में रोजा खोलने में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां केले 400 रुपए दर्जन हैं तो सेब 450 रुपए किलो बिक रहा है। वहीं प्याज की कीमतों में भी इजाफा हुआ है और यह 200 रुपए किलो बिक रहा है। आटा, दूध, चावल, मीट और चिकन तक आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। कुछ लोग एक दिन का खाना दो दिनों तक खाने को मजबूर हैं। वहीं अभिभावक भी अब पैसे बचाने के चक्कर में बच्चों को अच्छे इंग्लिश मीडियम स्कूल से निकालकर सरकारी उर्दू माध्यम में पढ़ा रहे हैं, ताकि फीस की रकम में बचत की जा सके।

गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस की टीम गुरुवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से एक बार फिर जीत की राह पर आने के इरादे से उतरेगी। गुजरात का प्रयास इस मैच में जीत हासिल कर पिछले मैच में केकेआर टीम के रिंकू सिंह की तूफानी पारी के कारण मिली हार के सदमे से उबरना रहेगा। केकेआर के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर के कारण ही गुजरात को हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में रिंकू ने अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। केकेआर के खिलाफ गुजरात टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा था। उस मैच में कप्तानी कर रहे राशिद खान ने हैट्रिक ली थी। इसके अलावा उसके बल्लेबाजों साइ सुदर्शन और विजय शंकर सहित सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी टीम को रिंकू की असाधारण पारी के कारण हार मिली थी। इस मैच में नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। पिछले मैच में हार्दिक फिट नहीं होने के कारण शामिल नहीं थे। इस मैच में गुजरात की राह आसान नहीं है क्योंकि पंजाब की टीम अपने घरेलू मैदान में उतरेगी। उसके कप्तान शिखर धवन भी अभी शानदार फार्म में हैं।

ऐसे में तीन मैचों में चार अंक लेकर अंकतालिका में चौथे स्थान पर कायम गुजरात को पंजाब के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा। गुजरात के पास बल्लेबाजी में शुभमन गिल, सुदर्शन और शंकर जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। विजयशंकर ने पिछले मैच में 24 गेंद में 63 रन बनाए थे। वहीं गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, जोश लिटिल, अलजारी जोसेफ और स्पिनर राशिद हैं।

अब तक आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आठ विकेट से मिली हार को छोड़ दें तो पंजाब ने अन्य मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के तेज गेंदबाज

अर्शदीप सिंह भी अच्छी लय में हैं जिनका सामना करना गुजराज के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। कप्तान धवन इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के साथ ही टीम इंडिया के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद 86 और केकेआर के खिलाफ 40 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

धवन और उनके युवा सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह ने पावरप्ले के ओवरों में पंजाब को अब तक अच्छी शुरूआत दी है और अब गुजरात के गेंदबाजों मोहम्मद शमी, हार्दिक व राशिद के खिलाफ भी वे इसी रणनीति से उतरेंगे। पंजाब के पास आईपीएल के सबसे महंगे स्टार खिलाड़ी सैम कुरेन के अलावा लियाम लिविंगस्टोन भी हैं। वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप के अलावा नाथन एलिस जैसे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), शुभमन गिल, साई सुदर्शन, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, मोहम्मद शमी, जोशुआ लिटिल, यश दयाल, अल्जारी जोसेफ।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शाहरुख खान, सैम करेन, हरप्रीत बराड़, राहुल चाहर, कागिसो रबाडा, अर्शदीप सिंह।

गेंदबाजों को बार-बार चोट लगना 'अवास्तविक' और 'हास्यास्पद' है : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने वरिष्ठ भारतीय गेंदबाजों को बार-बार लगने वाली चोटों पर निराशा जताते हुए कहा है कि किसी खिलाड़ी का इतनी आसानी से चोटग्रस्त होना 'अवास्तविक' और 'हास्यास्पद' है। शास्त्री ने यह टिप्पणी दीपक चाहर की नवीनतम चोट पर चर्चा के दौरान की। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले चाहर मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सिर्फ एक ओवर फेंककर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे।

शास्त्री ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपर किंग्स के घरेलू मैच से पहले ईएसपीएन क्रिकइंफो के एक कार्यक्रम में कहा, 'पिछले तीन या चार वर्षों में काफी खिलाड़ी ऐसे हैं जो एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के स्थायी निवासी बन गये हैं। जल्द ही, उन्हें वहां किसी भी समय चलने के लिये आवासीय मंजूरी मिल जाएगी, जो बिल्कुल भी अच्छी बात नहीं है। यह अविश्वसनीय है।'

पिछले पांच महीनों में चाहर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण दूसरी बार अपने चार ओवर पूरे किये बिना

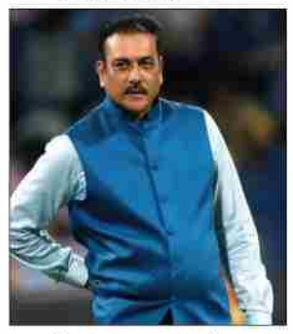

एक मैच से बाहर गये हैं। पिछले दिसंबर में मीरपुर में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में चाहर ने तीन ओवर फेंकने के बाद मैदान छोड़ दिया था। इसके बाद वह बेंगलुरु में एनसीए में लौट आए, जहां उन्होंने लगभग अपना पूरा 2022 गुजारा था। चाहर एकमात्र ऐसे भारतीय तेज गेंदबाज नहीं हैं जिन्हें बार-बार चोट लगने के कारण लंबे समय तक दरकिनार किया गया। जसप्रीत बुमराह, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, मोहसिन खान और यश दयाल सभी हाल-फिलहाल में अलग-अलग समय पर क्रिकेट से दूर हुए हैं। शीर्ष भारतीय गेंदबाज बुमराह ने हाल ही में पीठ की सर्जरी भी करवाई है।

वनडे विश्व कप में श्रीलंका सीधा क्वालिफाई करने में रही नाकाम, क्रिकेट बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खेल मंत्री ने पूर्व दिग्गज सनथ जयसूर्या की अध्यक्षता में वनडे विश्व कप के लिए क्रिकेट टीम के सीधे क्वालिफिकेशन हासिल नहीं करने के कारणों की जांच के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया है। पिछले महीने हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में मिली हार के बाद श्रीलंका आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रहा।

टीम तीन मैचों की श्रृंखला को 0-2 से हार गई थी खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने पिछले सप्ताह पूर्व दिग्गज सनथ जयसूर्या की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति नियुक्त की थी। इसमें तीन अन्य पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। मंगलवार को समिति की पहली बैठक हुई। श्रीलंका की क्रिकेट टीम 1996 में खिताब जीतने के अलावा दो बार फाइनल विश्व कप के फाइनल में पहुंची है, लेकिन यह पहली बार है जब टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए सीधा क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रही।

टीम को 1996 में खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले हरफनमौला जयसूर्या ने कहा, ''हम टीम के कोचिंग दल से स्वत: क्वालीफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहने के कारणों के बारे में पूछेंगे। हम उन से चीजों को सुधारने के लिए एक अल्पकालिक योजना की मांग करेंगे। ये खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है और उन्हें आत्मविश्वास देने की जरूरत है।÷ श्रीलंका 18 जून से नौ जुलाई तक जिम्बाब्वे में होने वाले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन अक्टूबर नवंबर में होगा।

आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : शीर्ष स्थान के लिए तेज हुई जंग, सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान के लिए जंग तेज हो गई है क्योंकि सूर्यकुमार यादव ने अपना नंबर बरकरार रखा है। नंबर 1 की स्थिति और पाकिस्तान की जोड़ी मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को कार्यवाही के शीर्ष पर भारतीय बल्लेबाज को पछाड़ने का मौका मिल सकता है।

जहां सूर्यकुमार वर्तमान में 906 रेटिंग अंकों के साथ बल्लेबाजों की टी20आई रैंकिंग में शीर्ष पर हैं वहीं रिजवान 811 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। आईसीसी द्वारा बुधवार को अपडेट की गई रैंकिंग में बाबर 755 अंकों के साथ एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। बाबर के बाद इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे क्रमश=चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

बाबर और रिजवान दोनों ही बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की हालिया टी20आई श्रृंखला से बाहर हो गए। यह श्रीलंका के खिलाफ न्यूजीलैंड

की श्रृंखला से डेवोन कॉनवे की अनुपस्थिति थी, जिसके कारण पाकिस्तान के कप्तान रैंकिंग के नवीनतम सेट पर एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर आ गए। इस जोड़ी को सूर्यकुमार पर पैठ बनाने का एक और मौका मिलेगा जब पाकिस्तान शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू करेगा।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के कई खिलाड़ी जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई टी20आई श्रृंखला में भाग लिया, उन्हें उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। श्रीलंका के कुसल मेंडिस (11 पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के टिम सीफर्ट (शीर्ष 100 से बाहर से 36वें स्थान पर) बल्लेबाजों के लिए टी20 रैंकिंग के नवीनतम सेट पर अन्य बड़े विजेता थे।

श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका के लिए मैच विजेता रहे युवा स्पिनर महेश तीक्शाना सबसे बड़े आकर्षण हैं क्योंकि 22 वर्षीय गेंदबाज करियर की उच्च रेटिंग और रैंकिंग में पांचवें स्थान के बराबर पहुंच गए हैं। उनके साथी वानिन्दु हसरंगा श्रृंखला के दौरान महंगे साबित हुए थे और टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में विधिवत रूप से दो स्थान गिरकर चौथे स्थान पर आ गए जिसके परिणामस्वरूप अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी (दूसरे) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (तीसरे) दोनों एक स्थान ऊपर आ गए हैं। टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष दो में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान फारूकी से आगे हैं जो शीर्ष स्थान के लिए कड़ी दौड़ में है।

आईपीएल में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए हैं मनदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के मैच में दोनों ही टीमों का एक-एक बल्लेबाज शून्य पर आउट हुआ। इस मैच में दिल्ली के कुलदीप यादव और मुंबई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अपना खाता तक नहीं खोल पाये। वहीं टीम इंडिया से जुड़े मनदीप सिंह टी20 लीग में सबसे अधिक बार शून्य पर ही आउट हुए हैं।

आईपीएल में सूर्या अब तक विफल रहे हैं। इस सत्र के पिछले 2 मैच में भी वे आरसीबी के खिलाफ 15 और सीएसके के खिलाफ एक रन ही बना पाये। आईपीएल के आंकड़ों की बात करें तो सूर्या अब तक सात बार शून्य पर आउट हुए हैं। वहीं सबसे ज्यादा 0 बनाने का रिकॉर्ड मनदीप सिंह के नाम पर है। मनदीप इस टूर्नामेंट में अब तक 15 बार शून्य पर पेवेलियन लौटे हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा हैं। कार्तिक और रोहित दोनों ही 14-14 बार 0 पर आउट हुए हैं।

पीएमके विधायक ने की सीएसके पर प्रतिबंध की मांग

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों के बीच में तमिननाडु में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के एक विधायक एस पी वेंकटेश्वर ने अजीब सी मांग करते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार चेन्नई सुपर लीग (सीएसके) टीम पर प्रतिबंध लगाए। वेंकटेश्वर के अनुसार इस टीम में जब राज्य का कोई भी खिलाड़ी नहीं है तो यह कैसे सीएसके नाम से खेल रही है। इस नेता ने विधानसभा में कहा कि राज्य में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर सीएसके फैंचाइजी ने अपनी 27 सदस्यीय टीम में एक भी खिलाड़ी को जगह नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि सीएसके के नाम का इस्तेमाल कर फैंचाइजी जमकर राजस्व कमा रही है पर उससे तमिलनाडु के खिलाड़ियों को कोई लाभ नहीं हुआ है। गौरतलब है कि पीएमके समय समय पर तमिलों से सम्बंधित मुद्दों को उठाती रहती है। वेंकटेश्वरन का यह बयान भी इसी को जोड़कर देखा जा रहा है। महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स 4 बार चैंपियन रही है। धोनी को उनके चाहने वाले प्यार से थाला कहते हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि वह इस सत्र के बाद संन्यास ले लेंगे।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिच नार्जे ने खेला 100 वां टी20 मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की ओर से आईपीएल खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिच नार्जे के टी20 क्रिकेट में 100 मैच पूरे हो गये हैं। नार्जे ने मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से मैच में उतरते ही अपना सौवां मैच खेला। अपने 100वें टी20 मैच में नोर्त्जे ने चार ओवर में 35 रन हालांकि वह कोई विकेट नहीं ले पाए। वह 8.80 की इकॉनमी रेट से आउट हुए। उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान भी पांच रन बनाये। 100 टी20 मैचों में नॉर्त्जे ने 19.97 की औसत और 7.38 की इकॉनमी रेट से 134 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दस रन देकर चार विकेट लेना रहा है। उन्होंने 31 टी20 मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है और 7.14 की इकॉनमी रेट से 38 विकेट लिए हैं। अब तक खेले 33 आईपीएल मैचों में उन्होंने 22.98 की औसत और 8.23 की इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका तीन विकेट पर 33 रन सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है। डीसी के लिए उनका सबसे अच्छा सीजन 2020 का था जिसमें उन्होंने 16 मैचों में 23.27 के औसत और 8.39 की इकॉनमी रेट से 22 विकेट लिए थे। वह टूर्नामेंट में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज थे और डीसी के उप-विजेता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

'अगर मौत आनी है, तो आनी है', भारत के एशिया कप के लिए पाकिस्तान ना जाने पर मियांदाद की तीखी टिप्पणी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने आगामी एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने पर भारत की आपत्ति पर तीखी टिप्पणी की है। अघोषित रूप से पाकिस्तान को शुरू में टूर्नामेंट के मेजबानी अधिकार मिले, हालांकि संवेदनशील राजनीतिक माहौल के बीच बीसीसीआई ने स्पष्ट रूप से पड़ोसी देश का दौरा करने से इनकार कर दिया है।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी और यह भी कहा कि प्रतियोगिता तटस्थ स्थान पर आयोजित की जा सकती है। हालांकि नई रिपोर्ट्स के अनुसार पीसीबी ने एसीसी से भारत के मैचों को छोड़कर पाकिस्तान में खेलों की मेजबानी करने का आग्रह किया जो तटस्थ स्थान पर आयोजित किया जा सकता है। इस विवाद के बीच कई पूर्व क्रिकेटरों ने अपना पक्ष रखा है

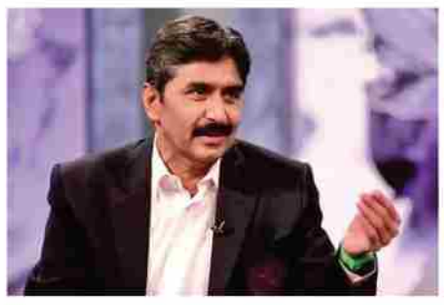

जिसमें जावेद मियांदाद भी शामिल हो गए हैं।

मियांदाद ने एक पोडकास्ट में कहा, 'सुरक्षा को भूल जाइए। हम मानते हैं कि अगर मौत आनी है, तो आनी है। जिंदगी और मौत तो अल्लाह के हाथ में है।' अगर वे आज हमें बुलाएंगे, तो हम जाएंगे। लेकिन उन्हें भी लौट जाना चाहिए। बात पिछली बार की है लेकिन वे तब से यहां नहीं आए। अब उनकी बारी है।'

जहां एशिया कप के मेजबानी अधिकार को लेकर काफी विवाद है, वहीं आगामी वनडे विश्व कप के बारे में भी काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। पीसीबी ने भी धमकी दी थी कि अगर भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया तो वह मेगा वनडे प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगा। हालांकि टीम पाकिस्तान के भारत में अक्टूबर-नवंबर में आयोजित होने वाले मार्की इवेंट में भाग लेने की संभावना है और कोलकाता में प्रतिष्ठित ईडन गार्डन और चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच हाई-वोल्टेज स्थिरता की मेजबानी करने के लिए चुने गए दो स्थान हैं। लेकिन दोनों क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इस संबंध में अपना आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई ने विश्वकप के लिए रखे 12 मैच स्थल

-पाक को पसंदीदा मैच स्थल मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल अपनी धरती पर होने वाले एकदिवसीया विश्वकप के लिए करीब एक दर्जन स्थल तैयार किये हैं। विश्वकप में दस टीमें भाग लेंगी। माना जा रहा है कि बीसीसीआई पाकिस्तान के सभी मैच कोलकाता और चेन्नई में मैच की मांग भी नहीं मानेगा। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बीसीसीआई से मांग की थी कि उसके सभी मैच कोलकाता और चेन्नई में रखे जायें। वहीं बीसीसीआई ने आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 12 स्थलों को अंतिम रुप दिया है। इसमें से हर स्थल पर 4 मुकाबले खेले जाने हैं। पहले पाकिस्तान के विश्वकप कप में भाग लेने पर संदेह जताया जा रहा था पर हाल ही में पीसीबी के प्रमुख नजम सेठी ने साफ कर दिया था कि उनकी टीम इस आईसीसी टूर्नामेंट में भाग लेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक टीम को किसी भी स्थल पर खेलना पड़ सकता है और बीसीसीआई उसकी पसंदीदा स्थल की मांग मानने को किसी भी प्रकार तैयार नहीं होगा। बीसीसीआई ने अहमदाबाद के अलावा चेन्नई, बेंगलुरु, दिल्ली, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, लखनऊ, इंदौर, राजकोट, मुंबई और कोलकाता को विश्व कप मैच के लिए मैच स्थल के तौर पर रखा है। माना जा रहा है कि, दिल्ली में पाक टीम को अधिक मैच खेलने पड़ सकते हैं। इसमें प्रत्येक टीम को ग्रुप दौर में 9 मुकाबले खेलने हैं और विश्व कप में कुल 48 मुकाबले खेले जाने हैं। पीसीबी सितंबर में एकदिवसीय एशिया कप की मेजबानी कर रहा है और भारत के पाक जाने से इंकार करने के कारण पाक के भी विश्वकप में आने पर संदेह जता या जा रहा था। वहीं अब पीसीबी का कहना है कि उसने मैच स्थल को लेकर कोई मांग नहीं रखी है। वहीं आईसीसी की ओर से भी कहा गया है कि पाक की ओर से किसी खास तरह के स्थल की मांग नहीं की गई है। बीसीसीआई ने पहले ही कह दिया था कि वह किसी तटस्थ स्थल पर मुकाबले नहीं रखेगी।

पूरे 22 लाख रुपये में बिके हैं ये खास जूते, बॉस्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी से है जूतों का ताल्लुक

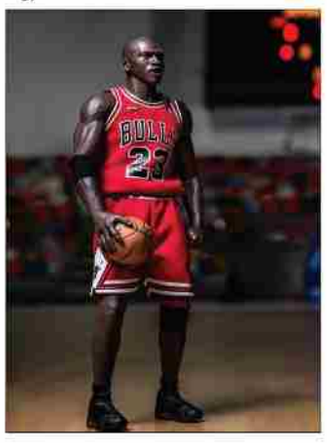

बेंगलुरु (एजेंसी)। अमेरिका के बास्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के जूतों को सर्वाधिक दामों में बेचा गया है। इन जूतों को 11 अप्रैल को 22 लाख डॉलर में बेचा गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इतनी अधिक कीमत पर अब तक कोई जूता नहीं बिका है। माइकल जॉर्डन के इन जूतों को पहनकर खेल भी चुके है।

जानकारी के मुताबिक ये जूते बेहद एतिहासिक है। इन जूतों को पहनकर साल 1998 के ह्क्क फाइनल (बॉस्केटबॉल चैंपियनशिप) के दौरान वो कोर्ट में उतरे थे। बता दें कि ये मुकाबला बेहद खास था क्योंकि ये एनबीए चैंपियनशिप का मुकाबला उनका छठा और अंतिम चैंपियनशिप खिताब का मुकाबला था।

बता दें कि एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस संबंध में नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने जानकारी दी है कि वर्ष 1998 में माइकल ने एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स पहने थे जिन्हें हाल ही में 22 लाख डॉलर में बेचा गया है। इतनी अधिक कीमत पर बिकने वाला ये अपने आप में अनोखा रिकॉर्ड है।

इस संबंध में सोथबी ने कहा कि ये रिकॉर्ड काफी बड़ा है। इससे साफ है कि माइकल जॉर्डन स्पोर्ट्स मेमोरेबिलिया की मांग बेहतर प्रदर्शन करते हुए सभी अपेक्षाओं को पार कर रही है। बता दें कि इससे पहले सितंबर 2021 में 15 लाख रुपये में जूते बेचने का रिकॉर्ड बना था, जो अब टूट चुका है। इस संबंध में निलामी कंपनी सोथबी के कार्यकारी अधिकारी और संस्थापक गेरोप सैप ने कहा कि ये नया रिकॉर्ड है जो कि स्नीकर्स के इतिहास को और अधिक शक्तिशाली बनाता है। उन्होंने कहा कि जॉर्डन दुनिया भर में सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाले स्नीकर्स में शुमार है। इसने स्नीकर्स उद्योग के लिए खास बाजार तैयार किया था। वर्तमान में यह सबसे मूल्यवान स्नीकर्स के लिए बाजार तैयार कर रहे हैं।'

आईपीएल में आरसीबी के ये रिकार्ड अब भी हैं बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 16 वें सत्र में कई तेज अर्धशतक लगे हैं पर अब तक कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है। पंजाब किंग्स के शिखर धवन ने एक मैच में नाबाद 99 रन बनाये थे। आईपीएल के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2013 में चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बनाये करीब 4 रिकॉर्ड 9 सत्र के बाद भी नहीं टूट पाये हैं। ये रिकॉर्ड इस बार भी टूटने की संभावना नजर नहीं आ रही है। यह रिकॉर्ड हैं आईपीएल के एक मैच में सबसे अधिक रन, सबसे अधिक स्कोर, सबसे तेज शतक और सबसे अधिक छक्के लगाने का। आईपीएल 2013 में एक ही मैच में से सभी रिकॉर्ड बने थे। आरसीबी ने तब पुणे वॉरियर्स के खिलाफ ये रिकार्ड बनाये थे। पुणे अब आईपीएल का हिस्सा नहीं है। उस मैच में क्रिस गेल ने 175 रनों की तेज पारी खेली थी। इस मैच में गेल ने टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक भी बनाया था। उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए केवल 30 गेंदें लगी थीं। गेल ने इस पारी में 13 चौके और 17 छक्के लगाए थे। यह आईपीएल में किसी बल्लेबाज के एक पारी में सबसे अधिक छक्के का रिकॉर्ड भी है.

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप : अंतिम पंघाल फाइनल में, अंशु सहित तीन अन्य कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे

अस्ताना (एजेंसी)। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने जवाबी हमले का शानदार नमूना पेश करते हुए बुधवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के 53 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया जबकि अंशु मलिक जापान की साए नैंजो के रक्षण को तोड़ने में नाकाम रही और उन्हें अब कांस्य पदक के लिए भिड़ना होगा। पिछले साल अंडर 20 विश्व चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी 18 वर्षीय पंघाल ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आसानी से हराया और फाइनल तक की राह में केवल एक अंक गंवाया।

पंघाल ने सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की अक्तेंग क्यूनिमजाएवा के खिलाफ चेतावनी मिलने के कारण एक अंक गंवाया लेकिन उन्होंने यहां मुकाबला आसानी से 8-1 से जीता। पंघाल ने अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर की सिआओ पिंग एलविना लिम के खिलाफ आसान जीत के साथ की और इसके बाद क्वार्टरफाइनल में चीन की ली डेंग को 6-0 से हराया। स्वर्ण पदक के लिए उनका मुकाबला 2021 की विश्व चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी से होगा जिन्होंने 2020 में सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा शुरू करने के बाद बमुश्किल ही कोई मुकाबला गंवाया होगा।

अंशु मलिक से 57 किग्रा भार वर्ग में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन 2021 की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता यह भारतीय खिलाड़ी मौजूदा अंडर 23 विश्व चैंपियन नैंजो के खिलाफ अंक बनाने के लिए जूझती रही। जापानी पहलवान ने पहले पीरियड में आक्रामकता भी दिखाई जबकि अंशु को निष्क्रिय बने रहने के लिए एक अंक गंवाना पड़ा। नैंजो ने भी दूसरे पीरियड में निष्क्रियता के लिए अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वह हावी हो गई और जब रेफरी ने मुकाबला रोका तब जापानी पहलवान 5-1 से आगे थी।

अंशु इस मुकाबले के दौरान चोटिल हो गई थी और अगर वह फिट रहती हैं तो कांस्य पदक के लिए मंगोलिया की एर्डेनेसुवद बैट एर्डीन से भिड़ेगी। इस बीच मनीषा (65 किग्रा), रीतिका (72 किग्रा) और सोनम मलिक (62 किग्रा) कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। सोनम को क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया की ओरखोन प्योरवदोर्ज से हार गई थी लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने फाइनल में पहुंचने के बाद इस भारतीय खिलाड़ी को प्रतियोगिता में वापसी करने का मौका मिला। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक छह पदक जीते हैं। इनमें चार पदक ग्रीको रोमन पहलवानों ने जीते हैं। मंगलवार को निशा दहिया (68 किग्रा) ने रजत और प्रिया (76 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता था।

अंडर-21 महिला हॉकी लीग : सिवाच अकादमी ने एचएआर को हराकर खिताब जीता

लखनऊ। प्रीतम सिवाच फाउंडेशन हॉकी टीम ने खेलो इंडिया अंडर-21 महिला लीग टूर्नामेंट जीता है। फाउंडेशन टीम ने खिताबी मुकाबले में एचएआर हॉकी अकादमी को 2-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। इस मुकाबले में तन्नु ने पहले क्वार्टर में एक मैदान गोल कर सिवाच टीम को बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद साक्षी राणा ने तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कार्नर पर एक गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। साक्षी ने सबसे अधिक 8 गोल किये और वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा ने कांस्य पदक वाले मुकाबले में साई बाल टीम को 3-1 से हराया।

मजबूत रक्षा वित्त व्यवस्था सेना की रीढ़ : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा वित्त और अर्थशास्त्र पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने रक्षा संबंधी व्यय (खर्च) के लिए आंतरिक और बाहरी ऑडिट के भरोसेमंद तंत्र की वकालत की। इसके अलावा, उन्होंने देश की रक्षा जरूरतों पर खर्च किए गए पैसे के ज्यादा उपयोग के लिए अभिनव तरीके भी ढूंढने का आह्वान किया।

राजनाथ सिंह ने वित्तीय संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर दिया और कहा कि रक्षा खरीद में खुले टेंडर के जरिए प्रतिस्पर्धी बोली के नियम का पालन किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा, भ्रष्टाचार और अनावश्यक खर्चों की संभावनाओं को कम करने से जनता के बीच सकारात्मक विचार पैदा होते हैं। इससे जनता का इस बात में भरोसा बढ़ता है कि उसका पैसा बेहतर और विवेकपूर्ण तरीके से खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने एक मजबूत सेना के लिए मजबूत रक्षा वित्त प्रणाली के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास सैन्य उपकरणों और प्रणालियों की खरीद के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को संहिताबद्ध करने वाली एक विस्तृत 'ब्लू बुक' है।

सिंह ने कहा, सरकार ने इस दृष्टिकोण के साथ पूंजीगत अधिग्रहण के लिए, 'रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020' और राजस्व खरीद के लिए रक्षा खरीद नियमावली के रूप में ब्लू बुक तैयार की है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, ये नियमावली यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं कि रक्षा खरीद की प्रक्रिया नियम बद्ध हो और वित्तीय औचित्य के सिद्धांतों का पालन हो।

उन्होंने आगे कहा, ये नियमावली महत्वपूर्ण है, इसलिए इन्हें सभी हितधारकों के परामर्श से रक्षा वित्त और खरीद विशेषज्ञों के द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि इन दस्तावेजों को अपडेट किया जा सके और जरूरत पड़ने पर नए नियमों व प्रक्रियाओं को शामिल किया जा सके।

शून्य से शिखर की है लालजी टंडन की जीवन यात्रा : सीएम योगी

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में महानता का मानक ऊपर से नीचे जाना नहीं होता है। कोई व्यक्ति जब शून्य से शिखर की यात्रा को अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से प्राप्त करता है तो वह उसकी महानता का मानक तय करता है।

लालजी टंडन की जीवन यात्रा शून्य से शिखर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ता, एक पार्षद, एक विधायक, एक सांसद और राज्यपाल के रूप में टंडन जी ने जीवनपर्यंत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की विकास की लाइन को आगे बढ़ाने का काम किया।

मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को पूर्व राज्यपाल लाल जी टंडन की जयंती के अवसर पर काली चरण महाविद्यालय में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही महाविद्यालय में शताब्दी विस्तार भवन का नामकरण किया। अब भवन का नाम लालजी टंडन भवन हो गया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अहंकार टंडन जी को कभी छू नहीं पाया। एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपनी जो राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ की थी वही सज्जनता और सादगी जीवन पर्यंत उनमें दिखाई पड़ती रही।

सीएम योगी ने कहा कि कालीचरण महाविद्यालय के साथ उनका लंबा जुड़ाव रहा है। लालजी टंडन जी ने यहां के भवनों को जिस रूप में बनाया है वह दर्शनीय है। उन्होंने कहा कि यह कैंपस आजादी के आंदोलन का साक्षी रहा है। इस संस्थान से मूर्धन्य साहित्यकार और वैज्ञानिक निकले हैं। हिंदी गद्य के प्रख्यात साहित्यकार श्याम सुंदर दास यहां के पहले प्राचार्य थे। अनेक साहित्यकार, समाजसेवी, वैज्ञानिक और राजनीतिज्ञों को जन्म देने का कार्य इस संस्थान ने किया है।

सीएम योगी ने कहा कि समाज में परिवर्तन का माध्यम शिक्षा ही बन सकती है। इस क्षेत्र में हम जितना सहयोग करेंगे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उतना परिवर्तन दिखाई देगा। आज उत्तर प्रदेश में जो भी परिवर्तन आया है शिक्षा उसके मूल में है। सीएम योगी ने टंडन जी की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रबंधन से अपील करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय का इतिहास 118 वर्ष पुराना है। सरकार की नई नीति से आप जुड़िए और यहां के सभी जर्जर भवनों को सुधारने में सरकार आपका सहयोग करेगी।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सासंद कौशल किशोर, विधायक आशुतोष टंडन, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोलकाता के मोमिनपुर दंगों में सात भगोड़ों के खिलाफ वारंट

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसी)। कोलकाता के इकबालपुर-मोमिनपुर में पिछले साल 9 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजा के मौके पर हुई हिंसा के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सात भगोड़े आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी किया है।

एनआईए ने इन सात में से हर भगोड़े आरोपी के बारे में सूचना देने वालों को एक-एक लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की है।

पूरी खोजबीन के बावजूद एनआईए उन्हें नहीं पकड़ पाई है। इस साल जनवरी में विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में भी उनके नाम थे। चार सौ पन्नों के आरोपपत्र में 14 लोगों के नाम हैं। इनमें सात को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि शेष सात अब भी फरार हैं।

सूत्रों ने बताया कि इसके बाद एनआई उनकी संपत्ति जब्त करने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकती है। एजेंसी को शक है कि ये पश्चिम बंगाल से बाहर किसी दूसरे राज्य में छिपे हुए हैं।

इकबालपुर-मोमिनपुर हिंसा की जांच शुरू से ही विवादों में रही है। एनआईए से पहले कोलकाता पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) इसकी जांच कर रही थी। उसने 20 लोगों को हिरासत में लिया था जिन्हें एनआईए ने आरोपमुक्त कर दिया। सूत्रों ने बताया कि एनआईए को स्थानीय पुलिस द्वारा पूर्व में हिरासत में लिए गए 20 लोगों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला था।

एनआईए ने इस मामले की जांच के सिलसिले में इस साल 4 जनवरी को कोलकाता और आसपास के 17 स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान भूकैलाश रोड और मयूरभंज रोड से कुल 33.87 लाख रुपए की नकदी जब्त की गई थी। धारदार हथियार और अन्य गैर-कानूनी सामान भी मिले थे। छापेमारी के दौरान एनआईए की टीम को स्थानीय लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा।

यह हिंसा लक्ष्मी पूजा के दिन भड़की थी। हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के दौरान पुलिस उपायुक्त रैंक के एक अधिकारी जख्मी हो गए थे। पुलिस ने 30 लोगों को हिरासत में लिया था।

एनआईए ने 19 अक्टूबर 2022 को स्थानीय पुलिस की एसआईटी से जांच की जिम्मेदारी अपने पास ले ली।

नादिया में 10 नवंबर को प्रशासनिक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनआईए पर राज्य में सांप्रदायिक तनाव को हवा देने का आरोप लगाया था।

सावरकर पर तनाव के बीच वेणुगोपाल ने ठाकरे से मांगा समय, पवार बोले- एमवीए को मिलकर काम करना चाहिए

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने महाविकास अघाड़ी की पार्टियों से एक जुट होकर काम करने की अपील की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि एमवीए सहयोगियों में मतभेद के बावजूद सभी को मिलजुलकर काम करना चाहिए। उनका यह बयान शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख और राज्य के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद आया है। वहीं दोनों नेताओं के बीच मुलाकात और बैठक को संजय राउत ने महाराष्ट्र में बदले राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में सकारात्मक करार दिया। राउत ने कहा कि सभी को प्राथमिकता विपक्षी एकता को बनाए रखना है।

गौरतलब है कि मंगलवार देर रात शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार से मिलने उनके आवास पहुंचे थे। दक्षिण मुंबई के सिल्वर ओक में शरद पवार के आवास पर हुई मुलाकात के दौरान ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत भी मौजूद रहे।

कल की मुलाकात के विषय में बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ बैठक के दौरान सहयोगियों के बीच एकता के मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने खुलासा किया कि गठबंधन की एकता के लिए कुछ कार्यक्रम तय किए गए हैं। सभी को इन कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। यह वह नीति है जिस पर हम कल सहमत हुए थे।

पवार का यह ताजा बयान उनके पूर्व के एक बयान के संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसमें पवार ने कहा कि ठाकरे ने एमवीए घटकों से परामर्श किए बिना (जून 2022 में) मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था।

उल्लेखनीय है कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे के बीच मंगलवार को हुई बैठक के दौरान उद्धव गुट के सांसद संजय राउत भी मौजूद थे। उन्होंने इस मुलाकात को सकारात्मक बताया। इस दौरान राउत ने यह भी खुलासा किया कि कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राज्य के पूर्व सीएम से मुलाकात के लिए समय मांगा है। वेणुगोपाल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के प्रतिनिधि के रूप में मुलाकात करेंगे। उनकी इस मुलाकात का उद्देश्य विपक्षी एकता को बरकरार रखना है। हिंदुत्व के दिवंगत विचारक वी डी सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच ठाकरे और वेणुगोपाल के बीच संभावित बैठक होगी, जिस पर ठाकरे ने आपत्ति जताई थी।

इस दौरान भाजपा नेता और मंत्री चंद्रकांत पाटिल की टिप्पणी कि जब अयोध्या में विवादित ढांचा गिराया गया तब शिवसेना का एक भी कार्यकर्ता वहां नहीं था, पर पलटवार करते हुए राउत ने कहा कि ऐसा करके उन्होंने बाल ठाकरे का अपमान किया है। ऐसा करने वालों को राज्य मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं मिलनी चाहिए।

उद्धव ठाकरे और शरद पवार की मुलाकात ऐसे समय में हुई जब हाल ही में शरद पवार ने अडाणी समूह के खिलाफ लगे आरोपों की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की जगह उच्चतम न्यायालय की एक समिति द्वारा जांच कराए जाने का समर्थन किया था। मुलाकात से पहले पवार ने कहा, राकांपा संयुक्त संसदीय समिति की जांच के लिए भाजपा विरोधी दलों की मांग से सहमत नहीं है, लेकिन विपक्षी एकता के लिए यह उनके रुख के खिलाफ नहीं जाएगी। पवार ने कहा था कि अगर जेपीसी का गठन होता है तो लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा की संख्या को देखते हुए, सत्ता पक्ष के पैनल में 14-15 सदस्य होंगे, जबकि विपक्ष के पास पांच से छह सांसद होंगे।

जमीन के बदले नौकरी मामले में तेजस्वी के बाद लालू प्रसाद की एक और बेटी से पूछताछ, दर्ज किए गए बयान

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। रेलवे घोटाले में लालू यादव के परिवार की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। जमीन के बदले नौकरी देने के कथित आरोपों में ईडी ने पूर्व सीएम की बेटी रागिनी यादव के बयान दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, रागिनी यादव पूछताछ के लिए एजेंसी के सामने पेश हुईं। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके बयान दर्ज किए गए हैं।

नौकरी के बदले जमीन देने के आरोप में ईडी ने मार्च में रागिनी यादव उनकी बहन चंदा यादव, हेमा यादव और पूर्व विधायक अबू दोजाना के पटना, फुलवारी शरीफ, दिल्ली एनसीआर, रांची और मुंबई स्थित परिसरों पर छापा मारा था। सोमवार को भी एजेंसी ने रागिनी और तेजस्वी से भी पूछताछ किया था। 25 मार्च को तेजस्वी ने सीबीआई के सामने गवाही दी थी। इसी दिन सांसद मीसा भारती से पूछताछ भी की थी। मामला यूपीए की पहली सरकार का दौर है। इस दौरान लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे।

एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी से भी पूछताछ की और छापेमारी भी की थी। छापेमारी के बाद ईडी ने कहा था कि एक करोड़ नकद और 600 करोड़ रुपए के अपराध का पता चला है। एजेंसी ने कहा था कि टीम रियल एस्टेट सहित अन्य निवेशों का पता लगा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

एजेंसियों का दावा है कि साल 2004-09 के दौरान भारतीय रेलवे के ग्रुप डी के पदों पर कई लोगों की नियुक्तियां हुईं थी। इसके बदले लोगों ने अपनी जमीन लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों के नाम की थी। सीबीआई का आरोप है कि इस दौरान नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन या सार्वजनिक नोटिस भी जारी नहीं किया गया था। बावजूद इसके पटना के निवासियों को मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में स्थित विभिन्न जोनल रेलवे में नियुक्ति दी गई थी। इस दौरान लोगों ने सीधे तौर पर या अपने करीबी परिवार के सदस्यों के माध्यम से लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को एक चौथाई, एक पांचवें दाम में जमीन बेची। हालांकि, तेजस्वी यादव ने सीबीआई के सभी आरोपों को सिरे से नाकार दिया है।

पीएम मोदी ने सीएम गहलोत पर ली चुटकी, तो लालू पर कसा तंज, बोले- रेलवे को राजनीति का अखाड़ा बनाया

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अजमेर टू दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर पीएम मोदी ने इशारों-इशारों में आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तंज कसा तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को निशाने पर लिया।

पीएम मोदी बुधवार को अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम को दिल्ली से 'वर्चुअल' माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश की 15वीं और राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में रेलवे भर्तियों में 'राजनीति व भ्रष्टाचार' होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि रेलवे को राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था।

मोदी ने कहा कि रेलवे में हालात 2014 के बाद बदलने शुरू हुए जब देश के लोगों ने केंद्र में स्थिर सरकार बनवाई। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का कायाकल्प होते देखकर आज हर भारतवासी गर्व से भरा हुआ है।

इस अवसर पर मोदी ने रेलवे में राजनीति को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। मोदी ने कहा, यह हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि रेलवे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था, जो सामान्य मानवीय जीवन का इतना बड़ा हिस्सा है, उसे भी राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था। आजादी के बाद भारत को एक बड़ा रेलवे नेटवर्क मिला था। लेकिन रेलवे के आधुनिकीकरण पर हमेशा राजनीतिक स्वार्थ हावी रहा।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ से तय किया जाता था कि कौन रेल मंत्री बनेगा कौन नहीं बनेगा, कौन सी ट्रेन किस स्टेशन पर चलेगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ ने ही बजट में ऐसी-ऐसी ट्रेनों की घोषणा करवाई जो कभी चली ही नहीं।

प्रधानमंत्री ने कहा, हालत यह थी कि रेलवे की भर्तियों में राजनीति होती थी, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था। गरीब की जमीन छीन कर उन्हें रेलवे में नौकरी का झांसा दिया गया। रेलवे की सुरक्षा... स्वच्छता रेलवे प्लेटफार्म की स्वच्छता सबकुछ को नजरअंदाज कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार आने के बाद हालात बदले। मोदी ने कहा, इन सारी परिस्थितियों में बदलाव वर्ष 2014 के बाद आना शुरू हुआ है जब देश के लोगों ने स्थिर सरकार, पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनवाई। जब सरकार पर राजनीतिक सौदेबाजी का दबाव हटा तो रेलवे ने भी चैन की सांस ली और नई ऊंचाई पाने के लिए दौड़ पड़ी। आज हर भारतवासी, भारतीय रेलवे का कायाकल्प होते देखकर गर्व से भरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस से जयपुर-दिल्ली आना जाना और आसान हो जाएगा और यह ट्रेन राजस्थान के पर्यटन उद्योग को भी बहुत मदद करेगी।

मोदी ने कहा कि बीते दो महीने में यह छठी वंदे भारत एक्सप्रेस है जिसे वे हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, जब से ये आधुनिक ट्रेनें शुरू हुई हैं तब से करीब 60 लाख लोग इनमें सफर कर चुके हैं। तेज रफ्तार इनकी सबसे बड़ी विशेषता है। यात्रियों का समय बचता है।

प्रधानमंत्री ने कहा 'वंदे भारत एक्सप्रेस इंडिया की 'फर्स्ट ऑलवेज फर्स्ट' की भावना को समृद्ध करती है। मुझे खुशी है कि वंदे भारत ट्रेन आज विकास, आधुनिकता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का पर्याय बन चुकी है। आज की वंदे भारत की यात्रा, कल हमें विकसित भारत की यात्रा की ओर ले जाएगी।

मोदी ने बुधवार को राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस में जारी राजनीतिक खींचतान की ओर इशारा किया और रेलवे के कार्यक्रम में आने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया।

रेल मंत्री व रेलवे बोर्ड के चेयरमैन, दोनों के ही राजस्थान से होने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, और मैं गहलोत जी से कहना चाहता हूं कि आपके तो दोनों हाथों में लड्डू हैं ... रेल मंत्री राजस्थान के हैं और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन भी राजस्थान के हैं।

उन्होंने आगे कहा, जो काम आजादी के तुरंत बाद होना चाहिए था, वो अब तक नहीं हो पाया... लेकिन आपका मुझ पर इतना भरोसा है कि आज आपने वो काम भी मेरे सामने रखे हैं। आप का यह विश्वास है... यही मित्रता की सच्ची ताकत है। और एक मित्र के नाते आप जो भरोसा रखते हैं, उसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

ससे पहले, अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने गहलोत के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री, मेरे मित्र शब्द का इस्तेमाल किया।

वहीं, गहलोत ने अपने संबोधन में राजस्थान में रेलवे से जुड़ी मांगें रखीं। उन्होंने कहा, रेल मंत्री जी हमारे अपने ही हैं, राजस्थान के हैं। आजादी के बाद पहली बार राजस्थान का कोई व्यक्ति रेल मंत्री बना है। मैंने देखा है कि जिस राज्य का मंत्री बनता है, वह कम से कम रेलवे में तो अपने राज्य का ध्यान रखता ही है। मैं उम्मीद करता हूं कि अश्विनी वैष्णव जी जो मेरे क्षेत्र जोधपुर में पढ़े हैं, रहने वाले पाली के हैं... वह बिना संकोच आप (मोदी) से बात कर लेंगे कि राजस्थान में अधिक से अधिक काम कैसे हो।

इस अवसर पर जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
उत्तर 24 परगना निवासी ने
₹1 करोड़ जीते

सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 83D 91037 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज-क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "जब मुझे डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने के बारे में पता चला तो यह मेरे लिए आश्चर्यजनक पल था। मेरी खुशियां चरम पर पहुंच गईं थीं, क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी भी एक करोड़ रुपए पाने के बारे में सोचा भी नहीं था। यह हमें हमारी आर्थिक जरूरतें पूरी करने में सहायता करेगा।" विजेता ने कहा।

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के श्री बंकिम दास ने 06.03.2023 को

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com